मेरा राजस्थान

वर्ष-२०, अंक- ०५, मुम्बई, जुलाई २०२५ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४४ मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

गौड़ी पार्श्वनाथ जैन मंदिर

लटियाल माता मंदिर

फलोदी

जयनारायण मोहनलाल पुरोहित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

लाल निवास हेरिटेज होटल

कलापूर्णम जनरल हॉस्पिटल

श्री जैनाचार्य खरतर गच्छाधिपती श्री जिनदत्त सूरीश्वर देवालय

'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

Hemchand Purohit
Chairman
Mob: 9821015428

Prarthana Builders LLP
Neumec Developer & Buildings
Project at: Wadala, Marol

H. J. SECURITIES PVT. LTD.
Member: The Stock Exchange, Mumbai Cash, Derivative
Member: National Stock Exchange, Capital Market F & 0
Member: Calcutta Stock Exchange, Kolkatta

Regd. OFF.: 201/202, 2nd floor. Regent Chambers, 208 Block III,
Backbay Reclamation, Nariman Point, Mumbai 400 021.
Ph: 022 49214400 Ext. 401 Cell: +91 9821015428
Email: backoffice@hjsecurities.com

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए INDIA नहीं

MOIRA®
THERMEX® TMT BARS

The Backbone of Your Structure

MOIRA means
Double strength for your Construction

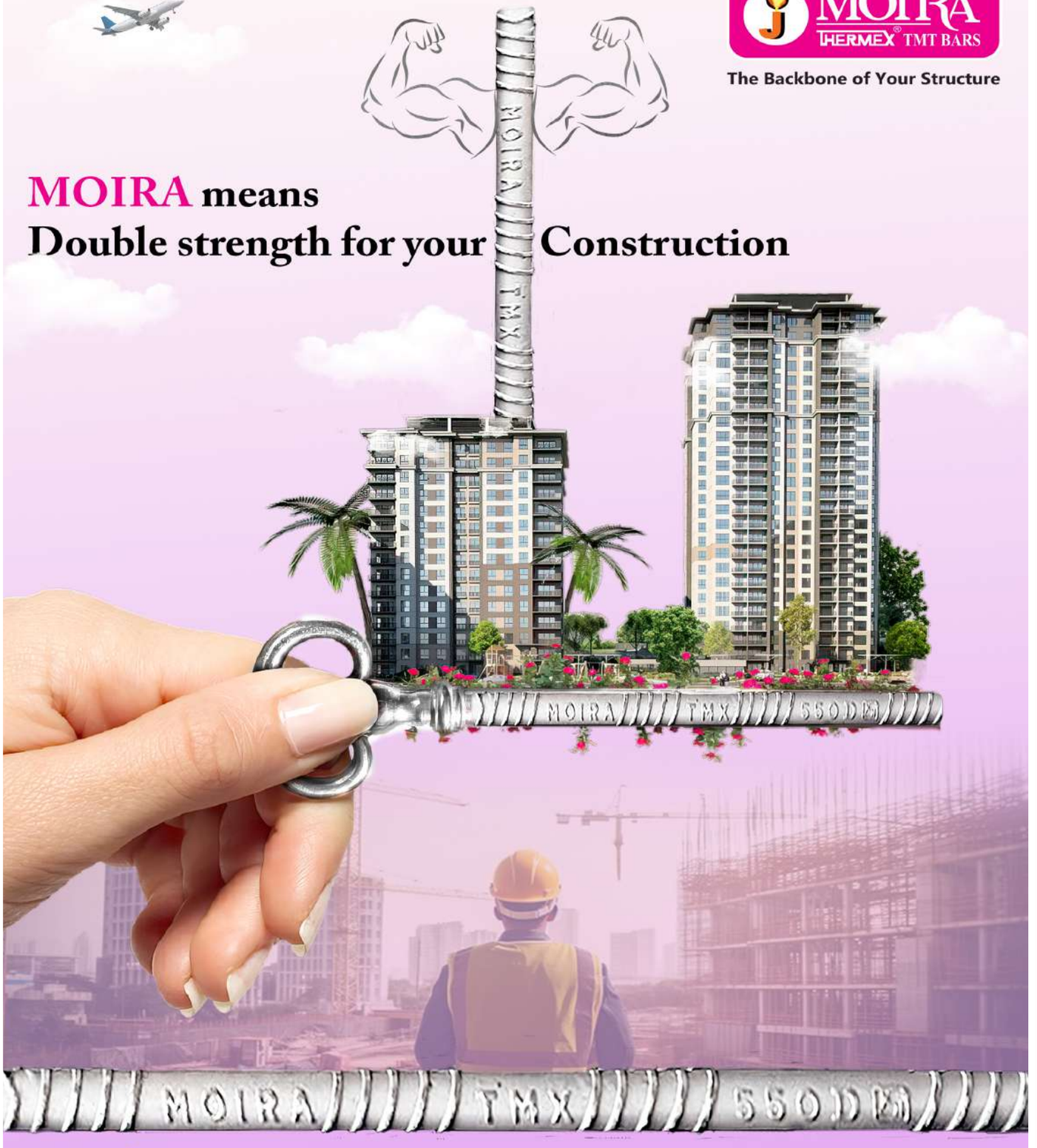

Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS

JAIDEEP METALLICS & Alloys Pvt. Ltd.

106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E), Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

१५ मई १९९२ से हुयी थी शुरूआत

१५ मई १९९२ से हुयी थी शुरूआत

एक बार फिर से

950000 अंधेरी वासियों की धड़कन

ईस्ट वेस्ट

अंधेरी टाइम्स

प्रधान सम्पादकः बिजय कुमार जैन

आपके घर व कार्यालय की शोभा बढाने आ रहा है

ईस्ट वेस्ट

अंधेरी टाइम्स

प्रधान सम्पादकः बिजय कुमार जैन

के पूर्व व के पश्चिम की

खबरों के साथ एकमात्र उद्देश्य

स्वच्छ अंधेरी-सुंदर अंधेरी

पढें व पढायें

स्वयं जुड़ें व लोगों को जोड़ें

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें

बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व संपादक

राष्ट्रीय अध्यक्ष

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

मो. 9322307908

एक राष्ट्र-एक नाम ''भारत''

०७ फलोदी..

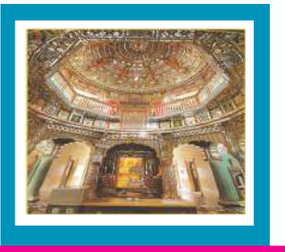

१८ फलोदी नगर इतिहास के झरोखे से...

१९ फलोदी में पर्यटन स्थल...

२६ फलोदी की हवेलियां

२७ 'शिवोहम' की धूम चैन्नई में

जुलाई २०२५ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' अगस्त २०२५ री विशेषतावां

खींवसर

भारत का एक राज्य राजस्थान के नागौर जिले में एक कस्बा है 'खींवसर' जो किले के लिए जाना जाता है। 'खींवसर' का इतिहास नागौर और मारवाड़ से जुड़ा है, यहां मांगलिया राणाओं ने भी शासन किया है। विस्तृत जानकारी पढ़ें अगले 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के विशेषांक में...

जायल

भारत का एक राज्य राजस्थान के नागौर जिले में 'जायल' तहसील एक शहर है, यह अजमेर संभाग के अंतर्गत आता है, यह जिला मुख्यालय नागौर से ५२ किलोमीटर पूर्व की ओर स्थित है, यह एक तहसील मुख्यालय है, विस्तृत जानकारी पढ़ें अगले 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के विशेषांक में...

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम

'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनायें

Satish Kalantri
Mob.: 9444086444

R. K. Kalantri
Mob.: 9444086222

Bajrang Synthetic
Bajrang & Bajrang
Bajrang Exports
Bajrang Marketing

Bajrang Towers

76, Godown Street, 2nd floor, Chennai - 600 001

Email: bajrangchennai@gmail.com

Phone: 9363198844

Raymond | Karishma® COTTON SAREES, MUMBAI | B.S.M.® MUMBAI Where Fashion is a Tradition | Rukman® EXCLUSIVE SHIRTINGS | Prisma Leggings

Ravi Fabrics

71, Godown Street, Chennai-600001

Ravi Fashion Paradise (P) Ltd.

3, Gangadheswarar Koil Street,
Purasawalkam, Chennai-600084

वर्ष-२०, अंक ५, जुलाई २०२५

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो. 9702205252

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक
स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...
सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
mainbharathunfoundation@gmail.com
अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://x.com/merarajasthan01
https://www.instagram.com/mera_rajasthan10/
https://www.youtube.com/@Merarajasthan10

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

संपादकीय ....

चालाँ फलोदी

फलोदी चालो! आपा राजस्थानी वियतनाम देखण न जरुर जावां हा,
पर आपारो गांव 'फलोदी' देखण रो समय ही कोणी?

सचमुच 'फलोदी' के इतिहास प्रकासन के समय मेरी ऐसे-ऐसे लोगों से बातें हुई, फक्र महसूस किया कि हमारे 'राजस्थान' में क्या नहीं है, मात्र वीरों की भूमि ही नहीं, धार्मिकता का कण-कण राजस्थान की माटी में है और 'फलोदी' की माटी का तो कहना ही क्या, सचमुच धर्म की नगरी कहना ही सही होगा 'फलोदी' नगरी को, क्या नहीं है 'फलोदी' में सब कुछ तो है, प्यारी नगरी है 'फलोदी'!

'फलोदी' में बना कांच का मंदिर गोडी पार्श्वनाथ जी विराजमान, शायद ही भारत में अन्यत्र होगा, अति सुंदर व दर्शनीय, वैसे तो मंदिर सभी सुंदर व दर्शनीय ही होते हैं, पर कुछ मंदिर ऐसे होते हैं, जहां बार-बार दर्शन को जाने की इच्छा होती है, ऐसा ही मंदिर है गोडी पार्श्वनाथ जी का, इसी के साथ माता लटियाल जी का मंदिर जो शायद ही 'भारत' में कहीं होगा और यदि है तो मुझे जरूर बताएं उनके बारे में, मैं भले ही दर्शनार्थ नहीं जा पाऊ, पर मन मंदिर की कल्पना में तो दर्शन कर ही लूंगा।

एक बात तो जरूर लिखना चाहूंगा 'फलोदी' के शौर्य माटी के लिए, जहां की सुपुत्री हैं कैप्टन सोनिया जैन, जब मुझे सोनिया जी के बारे में पता चला कि सोनिया जी भले ही वर्तमान में 'चेन्नई' रहती हैं पर लाडली हैं 'फलोदी' की, कहती हैं जब भी मौका मिलता है 'फलोदी' जरुर जाती हूं, बता दूं कि सोनिया जी एअर इंडिया में विमान संचालक हैं और उन्होंने अभी तक लगभग १०००० घंटे उड़ानें भी भर चुकी हैं, है ना सम्मान की बात। प्रस्तुत अंक में 'फलोदी' की विशेषताओं का मौका 'फलोदी' निवासियों ने मुझे दिया, उसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं और निवेदन करता हूं कि जरूर बताएं कैसा लगा प्रस्तुत अंक?

१२ जुलाई २०२५ को 'कोलकाता' महानगरी में उन महानायकों का सम्मान करने जा रहा हूं, जो जमीन से जुड़कर हमारी व समाज की सेवा कर रहे हैं, आत्म सुख प्राप्त हो रहा है, बता दूँ कि इन महानायकों के दिलों व परिवारों से निकलने वाली दुआओं से ही मेरा अभियान 'भारत बनाम भारत' जरुर सफल होगा और एक दिन 'भारत' को केवल 'भारत' ही बोला जाएगा INDIA भारतीय संविधान से विलुप्त हो जायेगा।

जय-जय राजस्थान! जय भारत!

SBI BANK

for payment

HDFC BANK

for payment

आपका अपना
-बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का
आव्हान करने वाला एक भारतीय
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
मो.९३२२३०७९०८

फलोदी

'फलोदी' शहर, जोधपुर जिले के उत्तर-पश्चिम में पठानकोट काण्डला राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या १५ एवं प्रान्तीय राज मार्ग संख्या २ तथा जोधपुर जैसलमेर रेल मार्ग पर स्थित है, जनसंख्या की दृष्टि से यह जिले का दूसरा महत्त्वपूर्ण नगर एवं व्यावसायिक केन्द्र है जो जिले का उपखण्ड मुख्यालय के रूप में कार्यरत है, यह जिला मुख्यालय 'जोधपुर' से लगभग १४० कि.मी. की दूरी पर स्थित है, 'फलोदी' में राज्य एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालय स्थापित हैं। सन् १४६० में राव जोधाजी ने अपने पुत्र राव सूजा को 'फलोदी' का शासक बनाकर भेजा, उस समय यहाँ सुरक्षा की दृष्टि से कोई उपयुक्त दुर्ग नहीं था। सन् १४६९ में सिदूजी के सहयोग से दुर्ग की नींव रखी गयी, इस कार्य में फला नाम की महिला द्वारा धन उपलब्ध कराने से इसका नाम 'फलाधी' रखा गया, जो कालान्तर में 'फलोदी' के नाम से विख्यात हुआ।

'फलोदी' शहर अपनी धार्मिक महत्वता के लिये प्रसिद्ध है, यहाँ स्थित भगवान कल्याणजी, लटियालजी, शांतिनाथजी एवं पार्श्वनाथजी के मंदिर अति प्राचीन एवं दर्शनीय हैं, कल्याणजी का मंदिर संवत् १२३६ से निर्मित है।

'फलोदी' शहर सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल रामदेवरा एवं पर्यटन स्थल जैसलमेर के मध्य स्थित होने तथा प्रवासी पक्षी कुरजां के आकर्षण स्थल खीचन, के समीप स्थित होने से यह नगर महत्वता प्राप्त करता जा रहा है।

'फलोदी' शहर नगक उत्पादन एवं व्यवसाय का एक प्रमुख केन्द्र है। शहर के आस-पास नमक उत्पादित क्षेत्रों के स्थापित होने से यहाँ की आर्थिक गतिविधियों में विस्तार हुआ है एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को प्रोत्साहन मिला है।

फलोदी का इतिहास

ऐसे पड़ा शहर का नाम फलोदी

विक्रम संवत् १५१५ में 'फलोदी' का नाम विजयनगर था, जहां राव हमीर नामक राजा का शासन बताया जाता है, लेकिन जब ब्राम्हण सिद्धूजी कल्ला के रथ पर सवार बड़े-बड़े बालों की लटों से शोभायमान एक बालिका को देख लोगों ने उसका नाम लटियोवाली रखा, जिससे माता को लटियाल नाम से पुकारा जाने लगा. ठीक इसी तरह पराई बालिका को राजस्थानी भाषा में 'फलां की धी' नाम से सम्बोधित किया जाता है, तो लोगों ने अपनी दिनचर्या में एक दूसरे को पूछना शुरू कर दिया 'अरे भई कठे जा रहयो है' तो लोग कहते थे 'वठेही जठे फलां की धी आयोडी है'। इस तरह फलां धी, फलां धी करते शहर का नाम 'फलोदी' पड़ गया।

राव सूजा

सन् १४६९ में राव सूजा द्वारा दुर्ग की नींव कार्य में फला नाम की महिला द्वारा धन उपलब्ध कराने के कारण इसका नाम 'फलाधी' रखा गया, जो कि कालांतर में 'फलोदी' के नाम से विख्यात हुआ। सन् १४७० में राव नरा द्वारा किले के मुख्य द्वार का निर्माण करवाया गया, सन् १४९५ में राव नरा के युद्ध में मारे जाने के पश्चात् राव सूजा द्वारा राव हमीर को फलोदी का शासक नियुक्त किया गया। राव हगीर के शासन काल सन् १४९५ से १५३२ (अर्थात् ३७ वर्षों की अवधि) में काफी विकास कार्य हुए, जो 'फलोदी' के विकास का 'स्वर्ण युग' कहलाता था, इस अवधि में यहाँ भव्य राज प्रासाद, रावरा तालाब, राणीसर तालाब एवं कई कलात्मक ईमारतों का निर्माण हुआ।

यहाँ स्थित भगवान कल्याण राव जी का मन्दिर सबसे प्राचीन माना जाता है, जिसका निर्माण संवत् १२३६ में किया गया, नगर के **शेष पृष्ठ ८ पर...**

पृष्ठ ७ से... अन्य प्राचीन मन्दिरों में प्रसिद्ध लटियाल देवी का मन्दिर प्रमुख है, इसका संचालन पुष्करणा ब्राह्मणों द्वारा किया जाता है। अन्य दर्शनीय मन्दिरों में भगवान सत्यनारायणजी, शान्तिनाथजी एवं पार्श्वनाथ जी आदि के मन्दिर प्रमुख हैं। संस्कृत शिलालेखों में 'फलोदी' का नाम फल वृद्धिका और विजयपुर के नाम से वर्णित है, कहा जाता है कि यह नगर राव सूजा के पुत्र नरा ने बसाया था। सन् १५४७ के लगभग राव मालदेव राठौड़ ने छल करके डूंगरसी के हाथ से इसे छीन लिया और लगभग १५ वर्ष तक उसके द्वारा शासन किया गया, बाद में यह जैसलमेर के राव हरराज के पुत्र भाखरसी के अधिकार में चला गया।

फलोदी दुर्ग

तत्पश्चात सन् १५७८ में बादशाह अकबर ने इसे बीकानेर के राजा रायसिंह के अधिकार में कर दिया, उसके राज्य में यहाँ शान्ति और समृद्धि रही, सन् १६१५ में जहाँगीर ने इसे 'जोधपुर' के राजा सूरसिंह के अधिकार में दे दिया तब से यह तत्कालीन 'जोधपुर' रियासत के अन्तर्गत रहा, स्वतन्त्रता के पश्चात राजस्थान राज्य में 'फलोदी' जोधपुर जिले का एक तहसील मुख्यालय एवं उपखण्ड मुख्यालय है।

यहाँ के प्राचीन स्थलों में किला, लटियाल माता का मन्दिर, कल्याणराव और शान्तिनाथ जी के मन्दिर, दर्शनीय और उल्लेखनीय हैं। यहाँ का किला राठौड़ राव हम्मीर नरावत (राव सूजा के पौते) ने पोकरण से आकर विक्रम संवत् १५४५ में (सन् १४८८) में बनवाया था, यहाँ स्थित लटियाल माता की मूर्ति की स्थापना संवत् १५१५ (सन् १४५८) में हुई। फलोदी शहर के राणीसर तालाब के किनारे कीर्ति स्तम्भ पर विक्रम संवत् १५८९ का आलेख है।

फलोदी की स्थापना के समय (संवत् १५१५) से प्रतिष्ठित नया तालाब के पास स्थित कोचर गोत्र की कुलदेवी बीसभूजा के मन्दिर में माताजी की प्रतिमा

रियासत काल में यह नगर जोधपुर रियासत के अधीन एक जिला मुख्यालय था, यह नगर नमक उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है, उत्तर दिशा में १६ कि.मी. की दूरी पर नमक की झील स्थित है, सन् १८७८ में तत्कालीन सरकार द्वारा इस झील को नमक उत्पादन हेतु लीज पर लिया जिसमें सन् १८९२ तक उत्पादन जारी रहा, तत्पश्चात् यहाँ का उत्पादन कार्य सरकार को अलाभप्रद लगने पर इसे बन्द कर दिया गया।

वर्तमान में इस उद्योग में स्थानीय व्यवसायी भली भाँति जुड़ जाने से यहाँ नमक उत्पादन कार्य जारी है तथा यह अनेक लोगों के जीविकोपार्जन का साधन बन गया है, यहाँ का उत्पादित नमक 'भारत' के विभिन्न **शेष पृष्ठ ९ पर...**

प्रकृति की सुंदरता से सजाए हुए
जोधपुर का एक जिला 'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

Jayantilal Maloo
Mob.: 94430 31226
Harit Agro
41 Katoor Road, P.N.Palayam,
Coimbatore, Tamil Nadu, Bharat- 641037
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

धार्मिकता और प्रकृति का
अद्भुत संगम 'फलोदी' के
इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

P. Santhosh Lunia
Mob.: 9442074999
Bharath Lights
K.K. Lane No.1 Avanashi Road,
Coimbatore, Tamil Nadu, Bharat - 641018
(Off.) 9361027343, (Resi.) 9043030340
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम
'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

with best compliments from

T. P. Ostwal
Mob.: 9004660107

T. P. Ostwal & Associates LLP

Suite #1306-1307, Lodha Supremus, Senapati Bapat Marg,
Lower Parel, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400013

पृष्ठ ८ से... भागों में रेल एवं सड़क मार्ग द्वारा भेजा जाता है।

विद्यमान विशेषताएँ

'फलोदी' शहर राज्य के पश्चिम दिशा में थार मरूस्थल में स्थित है, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या १५ एवं प्रान्तीय राज मार्ग संख्या २ यहाँ से गुजरते हैं, यह नगर राज्य की राजधानी जयपुर से ४८१ कि.मी. तथा जिला मुख्यालय जोधपुर से १४० कि.मी. की दूरी पर स्थित है, यह अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्यटक स्थल 'जैसलमेर' एवं जिला मुख्यालय 'जोधपुर' को जोड़ने वाले रेलमार्ग पर स्थित है, उक्त नगर को हाल ही में 'कोलायत' से रेलमार्ग द्वारा जोड़ा गया है, पूर्व रियासत मारवाड प्रान्त के पश्चिम में स्थित 'फलोदी' शहर भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं कलात्मक महत्व की दृष्टि से एक विशिष्ट स्थान रखता है, यह जोधपुर, नागौर, बीकानेर एवं जैसलमेर जिला मुख्यालय से लगभग समान दूरी पर स्थित है, 'नमक' उद्योग यहाँ का महत्वपूर्ण व्यवसाय है।

भौतिक स्वरूप और जलवायु

फलोदी नगर '२७-०६ से २७-०९' उत्तरी अक्षांश एवं २७°-२०' से २७°-२३ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है, यह नगर पश्चिमी राजस्थान में थार मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित है, नगर का पृष्ट क्षेत्र नमक उत्पादन एवं कृषि सम्बन्धित गतिविधियों से जुड़ा हुआ है।

यहाँ की जलवायु गर्म एवं अर्द्ध शुष्क है, ग्रीष्म ऋतु में यहाँ की आपेक्षित आर्द्रता सुबह व शाम के मध्य औसतन १० से ३५ प्रतिशत, वर्षा ऋतु में ४० से ९० प्रतिशत तथा शीत ऋतु में ३० से ७० प्रतिशत के मध्य रहती है। मरूस्थलीय जलवायु होने के कारण यहाँ ग्रीष्म ऋतु में अधिकतम तापमान ४५ डिग्री से.ग्रे. या इससे अधिक भी हो जाता है, जो माह मार्च से जुलाई तक रहता है, सामान्यतया सर्दी का मौसम दिसम्बर से फरवरी माह तक रहता है, उस समय यहाँ का तापमान १० डिग्री सेन्टीग्रेड तक हो जाता है, यहाँ की सामान्य औसत वर्षा ३२० मि.मी. तक होती है।

जलापूर्ति

शहर में जलापूर्ति जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा की जाती है। जलापूर्ति के प्रमुख स्रोत शहर तथा इसके आस पास के क्षेत्रों में स्थित १७ नलकूप हैं, जहां से पम्प द्वारा शहर में विभिन्न क्षेत्रों में स्थित उच्च जलाशयों तक जल पहुँचाया जाता है, उच्च जलाशयों से विभिन्न पाईप लाईनों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति की जाती है, इन नलकूपों से लगभग १८,००० लीटर जल प्रति घंटा आपूर्ति होती हैं। शहर की वर्तमान जल की मांग लगभग ५,२०० के.एल.डी. है, जबकि लगभग ४,५०० के.एल.डी. जल की ही आपूर्ति की जा रही हैं, वर्तमान में शहर में कुल चार **शेष पृष्ठ १० पर...**

पृष्ठ ९ से... शुद्ध जल भण्डारण स्थल (सी.डब्ल्यू.आर.) तथा चार आपूर्ति जलाशय (एस.आर.) स्थित हैं, इनके अतिरिक्त शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग ५० सार्वजनिक नल लगे हुए हैं, घरेलू उपयोग के अन्तर्गत जल का अधिक उपयोग होता हैं। शहर में जलदाय विभाग द्वारा प्रदत्त विभिन्न उपयोग हेतु लगभग ५१७० जल कनेक्शन लगे हुए हैं।

यातायात व्यवस्था

शहर के पुराने क्षेत्र में गली एवं सड़कें सकड़ी एवं कम चौड़ी होने से प्रायः यातायात अवरूद्धता की स्थिति बनी रहती हैं। भीतरी भाग (सघन आबादी घनत्व) वाला क्षेत्र होने से यहाँ स्थापित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कारण भी यहाँ यातायात दबाव एवं अवरूद्धता की समस्या प्रमुख है, शहर के भीतरी क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व अत्यधिक है, यातायात दबाव के प्रमुख क्षेत्रों में सदर बाजार, स्टेशन रोड क्षेत्र, शहर का भीतरी क्षेत्र प्रमुख है, यहाँ स्थित मार्गों की औसत चौड़ाई १० से २० फुट के मध्य है, जो कि व्यवसाय में प्रयुक्त वाहनों की संख्या की दृष्टि से अपर्याप्त है, बाहरी क्षेत्रों के मार्ग अपेक्षाकृत चौड़े हैं, परिसंचरण के अंतर्गत लगभग १९८ एकड़ क्षेत्र आता है, जो कि विकसित क्षेत्र का १२.६९ प्रतिशत है।

बस तथा ट्रक टर्मिनल

शहर में बढ़ते यातायात दबाव को ध्यान में रखते हुए नया बस स्टेण्ड, दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र के समीप बनाया गया है, यहाँ से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा प्रतिदिन लगभग ७० बसें संचालित की जाती है तथा लगभग ५० निजी बसें प्रतिदिन विभिन्न मार्गों पर संचालित होती हैं। चिन्हित पार्किंग स्थल न होने से निजी बसों की पार्किंग प्रायः मुख्य सड़कों के सहारे की जाती है, जिससे यातायात में व्यवधान होता है। ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, नगर की व्यावसायिक गतिविधियों से जुडा हुआ है, किन्तु शहर में नियोजित ट्रांसपोर्ट नगर नहीं होने से वर्तमान में ओसवाल न्याती नोहरे के समीप कई ट्रांसपोर्ट कम्पनियाँ संचालित

बस स्टेण्ड फलोदी

हैं। ट्रकों की पार्किंग सड़कों के सहारे की जाती है तथा माल लदान का कार्य भी इन्हीं सड़कों के सहारे होता है जिससे यातायात प्रभावित होता हैं। यहां से प्रतिदिन लगभग ६० ट्रकों द्वारा विभिन्न स्थानों के लिए माल की ढुलाई की जाती हैं। आई.डी.एस.एम.टी. योजना के अंतर्गत नागौर मार्ग पर एक नियोजित यातायात नगर प्रस्तावित किया गया है।

रेल एवं हवाई सेवा

जोधपुर-जैसलमेर को जोड़ने वाला रेल मार्ग 'फलोदी' से होकर गुजरता है, हाल ही में 'फलोदी' को कोलायत से बड़ी रेलवे लाईन से जोड़ा गया है, यहां

जोधपुर हवाई अड्डा

से प्रतिदिन चार सवारी गाड़िया गुजरती हैं। जोधपुर मार्ग पर आई.टी.आई. कॉलेज के पूर्व की ओर हवाई पट्टी का निर्माण होने से अतिविशिष्ठ व्यक्तियों के आवागमन से शहर के परिवहन महत्व में क्रमोत्तर वृद्धि हुई है।

क्षेत्रीय परिपेक्ष्य

'फलोदी' शहर की भौगोलिक स्थिति विशिष्ट रही है, यह जोधपुर, नागौर, बीकानेर, जैसलमेर जिला मुख्यालयों से लगभग समान दूरी पर स्थित है। 'फलोदी' शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या १५ पर स्थित होने एवं इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के विभिन्न कार्यालयों की स्थापना तथा रागीपीय क्षेत्र में 'नमक' उद्योग विकसित

कार्यालय जिला कलक्टर

शेष पृष्ठ १२ पर...

THE Raymond SHOP
ADYAR
SHYAM BROS
Best Compliments
Hari Ratan Rathi | Amit Bhutada
44/6, 1st Main Road, Gandhi Nagar, Adyar
Call: 87786 37171/ 9840076266
Explore our collection of exotic fabric
Shirts
Trousers
Jackets
Suits
Be Spoke Tailoring
ColorPlus PARK AVENUE parx
AUTHORIZED WHOLESALER FOR TAMIL NADU
Raymond Premium Suiting & Shirting
TESSITURA MONTI INDIA Premium Cotton Shirting
BURGOYNE THE ORIGINAL LINEN ESTD. 1912 Premium Linen
26/47, Muthiyal Chetty Street, Puraswalkam, Chennai 600007
Call:9840096400
Shirts | Trousers | Jackets | Suits | Bandhgala | Sherwani | Bundi

With Best Compliments From

GOLKUNDA
DIAMONDS & JEWELLERY LTD.

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम
'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

Tilokchand Bhansali
Director
Mob.: 9840110479, 9710133000

Hitesh Bhansali
Director
Mob.: 9710633000

LT
Properties and Investments

38/9 Ramanujam Ayer St, Old Washermen Pet,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat-600021

'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर "मेरा राजस्थान' परिवार को
हार्दिक शुभकामनाएं

Vasudev Rathi
Mob: 9600976775

55 Mookathal Street, Purasawalkam,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600007
Email: vdrathi47@gmail.com

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १० से... होने से इस क्षेत्र के विकास को गति मिली है। 'फलोदी' शहर के समीप स्थित खीचन गांव में प्रवासी पक्षी 'कुरजां' के प्रवास के कारण भी पक्षी प्रेमीयों एवं पर्यावरणविदों के लिये यह स्थल आकर्षण का केन्द्र है, जहाँ पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक आते है, जिनमें प्रतिवर्ष वृद्धि होती जा रही है।

विद्यमान भू-उपयोग

नगर नियोजन विभाग द्वारा वर्ष २००३ में भू-उपयोग सर्वेक्षण किया गया, सर्वेक्षण के अनुसार कुल नगरीयकृत क्षेत्र २१४० एकड़ है, इसमें से लगभग ३२२ एकड़ खुला क्षेत्र, तालाब एवं जल के अर्न्तगत ५५ एकड़ तथा कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत २० एकड़ है, कुल विकसित क्षेत्र १५६० एकड़ है, इसमें से ८३० एकड़ का आवासीय उपयोग हो रहा है, जो कि विकसित क्षेत्र का

कार्यालय नगर पालिका मण्डल

५३.२० प्रतिशत है, व्यावसायिक गतिविधियों में १३० एकड़ क्षेत्र है जो कि विकसित क्षेत्र का ८.३३ प्रतिशत है। व्यावसायिक क्षेत्र पुराने शहर, स्टेशन रोड व जोधपुर मार्ग पर स्थित है। औद्योगिक उपयोग में ६० एकड़ क्षेत्र है जो कि विकसित क्षेत्र का ३.८५ प्रतिशत है, नमक उद्योग यहां का प्रमुख उद्योग है परन्तु नमक उत्पादन क्षेत्र नगर से दूर होने के कारण भू-उपयोग विश्लेषण

जिला पुलिस अधीक्षक-फलोदी

में वह सम्मिलित नहीं होता है। सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी उपयोग के अंतर्गत ६२ एकड़, सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक उपयोग में १८० एकड़ तथा आमोद-प्रमोद के अन्तर्गत १०० एकड़ क्षेत्र है, शहर का फैलाव चहुमुखी होने के कारण परिवहन उपयोग हेतु १९८ एकड़ है, जो कि विकसित क्षेत्र का १२.६९ प्रतिशत है, तालिका संख्या ३ में विद्यमान भू-उपयोग वर्ष २००३ को दर्शाया गया है।

आवासन

फलोदी कस्बे में राजकीय आवास एवं सिंचित क्षेत्र इन्दिरा गांधी नहर परियोजना के आवास बने हुए हैं तथा राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास सुविधा के

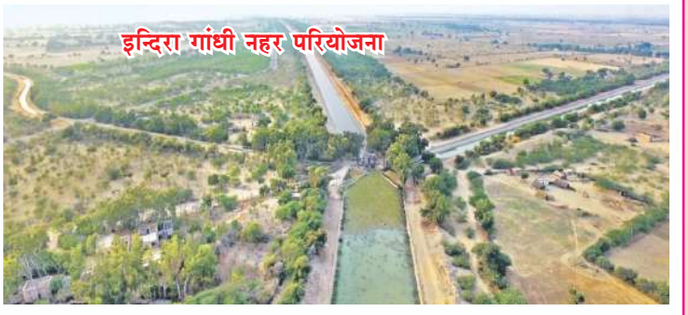
इन्दिरा गांधी नहर परियोजना

लिए आवासों का निर्माण करवाया जा रहा है। 'फलोदी' में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास इन्दिरा गाँधी परियोजना का भी विश्राम गृह बना

विश्राम गृह इन्दिरा गाँधी परियोजना

हुआ है। शहर के विभिन्न भागों में लगभग ११ कच्ची बस्तियां हैं, इनमें इंद्रा कॉलोनी, संजय नगर, मालियों का बास, बरकत कॉलोनी, कुदरतियाँ कॉलोनी, हरिजन बस्ती एवं मेघवाल बस्ती आदि प्रमुख है। **शेष पृष्ठ १३ पर...**

Master Franchisee
Motilal Oswal
Solid Research. Solid Advice

GOLECHHA® CAPITAL
Growing Wealth Infinitely !

Mahesh Golechha
CEO
Vice Chairman - JITO Hyderabad
Zone Vice Chairman - JAC Zone XII JCI India

GOLECHHA CAPITAL PVT LTD

Portfolio Management | Equity, Currency, Commodity Broking
Mutual Fund | Startup Funding | Wealth Management
other financial services...

3rd Floor, Golechha Arcade, 1-2-61 & 62 Parklane,
Secunderabad, Telangana, Bharat-500003
Tel.: 40 27810677, 40170677 | Mob.: 9393333364
email: mg@golechha.com | Web.: www.golechha.com

प्रकृति की सुंदरता को सजाए हुए जोधपुर का एक जिला 'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

Kaniyalal Amit Bhattad
Mob: 9840092016

101, Perambur Barracks Road, Chennai,
Tamil Nadu, Bharat- 600007
Email: amitbuthead@rediffmail.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

प्रकृति की सुंदरता को सजाए हुए
जोधपुर का एक जिला 'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

with best compliments from
Golchha Family

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १२ से... **व्यावसायिक**

फलोदी शहर, जोधपुर, जैसलमेर, नागौर एवं बीकानेर चार जिला मुख्यालयों से करीब-करीब समान दूरी पर स्थित होने से इसकी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के कारण यह व्यावसायिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है, जो क्षेत्र का सेवा एवं व्यावसायिक केन्द्र के रूप में विकसित है शहर का भीतरी क्षेत्र थोक एवं फुटकर व्यावसायिक गतिविधियों का प्रमुख स्थल है, यहाँ के प्रमुख

कृषि विज्ञान केंद्र

व्यावसायिक क्षेत्रों में सदर बाजार एवं नया बाजार प्रमुख है, यह क्षेत्र प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियों का क्षेत्र होने से यहाँ यातायात का अधिक दबाव रहता है। फलस्वरूप यहाँ कभी कभी यातायात अवरूद्धता की स्थिति बन जाती है, इस क्षेत्र में स्थित मार्गों की चौड़ाई औसतन १० से २० फीट के मध्य है, इन क्षेत्रों में पार्किंग स्थलों का प्रायः अभाव है।

विभिन्न अनाजों का थोक व्यापार डेयरी के समीप स्थित कृषि उपज मण्डी में होता है। कस्बे के आवासीय क्षेत्रों में संगठित व्यावसायिक केन्द्रों का अभाव है जिससे व्यावसायिक गतिविधियां अव्यवस्थित रूप से फैली हुई है। व्यावसायिक भू

कार्यालय जिला उद्योग-वाणिज्य केंद्र

उपयोग कुल विकसित क्षेत्र का लगभग १३० एकड़ अर्थात् ८.३३ प्रतिशत है।

औद्योगिक

'फलोदी' शहर में कई लघु औद्योगिक इकाईयां कार्यरत है। औद्योगिक भू-उपयोग के अन्तर्गत लगभग ६० एकड़ भूमि स्थित है जो कि शहर के कुल विकसित क्षेत्र का ३.८५ प्रतिशत है। नमक उत्पादन एवं इससे सम्बन्धित उद्योग यहाँ स्थापित इकाईयों में सबसे प्रमुख है, यहाँ स्थित लगभग १,१२६ औद्योगिक इकाईयों में से ८२० इकाईयां नमक उत्पादन, पिसाई शेष पृष्ठ १४ पर...

नमक उत्पादन

पृष्ठ १३ से... एवं इससे सम्बन्धित है, यहाँ नमक विपणन का कार्य प्रमुख रूप से होता है, जिसे रेलवे द्वारा देश के विभिन्न भागों में भेजा जाता है। यहाँ औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग २,६८९ श्रमिक कार्यरत है, इसमें से लगभग २,००० श्रमिक नमक से सम्बन्धित ईकाइयों में कार्यरत हैं। नमक व्यवसाय से संबंधित औद्योगिक इकाईयाँ मुख्य रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित हैं। 'रीको' द्वारा स्थापित औद्योगिक क्षेत्र, शहर के दक्षिण भाग में राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या १५ एवं जोधपुर फलोदी मार्ग के मध्य स्थित हैं। नमक उद्योग ने शहर के आर्थिक विकास को गति प्रदान की है।

उद्यान एवं खुले स्थल

पर्यावरण संतुलन तथा स्वस्थ वातावरण के लिए पार्क एवं खुले स्थलों का अद्वितीय महत्व है। स्वास्थ्य ही मनुष्य की अमूल्य निधि है। स्वस्थ जीवन के लिए ये स्थल महत्वपूर्ण हैं। 'फलोदी' जिले का एक महत्वपूर्ण नगर होते हुए भी इसमें पर्यावरण संरक्षण के लिये नियोजित पार्क एवं खुले स्थलों का अभाव है। नगर में मेजर शैतानसिंह नामक स्टेडियम है। फलोदी शहर में डॉ. जगदीश चंद्र बसु एवं दीनदयाल बालोद्यान दो प्रमुख उद्यान हैं, नई विकसित आवासीय बस्तियों में विकसित पार्क एवं खुले स्थलों का अभाव है। वर्तमान में शहर में नगरीय स्तर का कोई पार्क विकसित नहीं हुआ है। पार्क एवं खुले स्थलों के अन्तर्गत यहाँ कुल १०० एकड़ भूमि है जो नगर के कुल विकसित क्षेत्र का ६.४२ प्रतिशत है।

स्टेडियम एवं खेल मैदान

सार्वजनिक रूप से शहर में टेलीफोन एक्सचेंज के समीप बापू नगर में निर्माणाधीन मेजर शेतान सिंह स्टेडियम मैदान की चार दीवारी ही निर्मित हुई है, जो कि शहर का एक मात्र स्टेडियम एवं खुला मैदान है, इसमें खेलकूद के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, इसका कुल क्षेत्रफल ४०.५ एकड़ है।

मेले एवं पर्यटन सुविधाएं

'फलोदी' नगर धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केन्द्र हैं। रामदेवरा का सुप्रसिद्ध मंदिर मात्र ५० कि.मी. दूरी पर स्थित है। नगर के स्थानीय मेले, लटियाल माता मंदिर के पीछे स्थित खुले मैदान एवं स्टेडियम मैदान में

आयोजित किये जाते हैं। पदम सिंह जी के थड़े के पास पशु मेले का आयोजन किया जाता है। प्रवासी पक्षी 'कुरजां' के लिये प्रसिद्ध स्थल खीचन ४ कि.मी.

की दूरी पर स्थित है, इन स्थानों पर स्थानीय निवासियों, स्वदेशी एवं विदेशी पर्यटकों का भी आवागमन रहता है।

शैक्षणिक

फलोदी शहर में विद्यालय, महाविद्यालय व तकनीकी स्तर की शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। वर्तमान में 'फलोदी' में एक महाविद्यालय, **शेष पृष्ठ १५ पर...**

with best compliments from

Badri N. Maheswary
93374 05737
88478 43212

Manoj Maheswary
77357 77977
82491 67877

Maheswary Industriez
Deals in :- TMT, Angel, Channel, Structure, Pipe, Cement & CR / HR Sheets
In fornt of Indo English School, Orampada, Uditnagar, Rourkela-769012, Sundargarh, Odisha
Email:- maheswaryindustriez@gmail.com

Narayan Maheswary
94370 41486

Mohit Maheshwary
97764 44444
79750 78213

Disha Industries
Deals in :- MS/G.I Pipe, TMT, Structure, Scraps & Carbon Materials
Shop No. 4, Opp. Mayfair Hotel Market, Rourkela-769004, Sundargarh (Odisha)
dishaindustries09@gmail.com
www.maheshwaryindustries.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित: श्रीचंद, सुशीलकुमार, सुरेंद्र-ऋतु, विपुल-सुचिता जैन चोरड़िया
राजस्थान - कोलकाता - रायपुर

'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

गोपीकिशन बोहरा
मो: 9828126308

विवेकानन्द संस्थान द्वारा संचालित
विवेकानन्द बाल विद्या मन्दिर माध्यमिक विद्यालय
(मान्यता क्रमांक पं. 18 (3)/ शिक्षा 5/2001 दि. 9.7.2004)

हमारी अन्य संस्थाएं
विवेकानन्द लाइब्रेरी विवेकानन्द बॉयज हॉस्टल
www.vivekanandclassesjodhpur.com
जालोरी गेट के अन्दर, पुलिस चौकी के आगे,
बालाजी मन्दिर के सामने, जोधपुर, राजस्थान
मो.: ९७७२१ ३४५५३

पृष्ठ १४ से... दो सीनियर माध्यमिक विद्यालय, तीन माध्यमिक विद्यालय, सोलह उच्च प्राथमिक एवं नौ प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं, इनमें से तकनीकी

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फलोदी

शिक्षा हेतु एक आई.टी.आई. संस्था भी है, इन शिक्षण संस्थानों में कुल ११,२५३ विद्यार्थी अध्ययनरत है।

चिकित्सा

चिकित्सा सुविधा के अन्तर्गत शहर में एक ५० शैय्याओं का राजकीय चिकित्सालय है जो शहर वासियों तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सा सेवा प्रदान करता है। यह स्टेशन रोड के पास शहर के लगभग मध्य में स्थित है, इसके अतिरिक्त शहर में एक राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल तथा तीन निजी क्लिनिक संचालित हैं, शहर की जनसंख्या की दृष्टि से वर्तमान चिकित्सा सुविधाएँ अपर्याप्त हैं।

सामाजिक/सांस्कृतिक

शहर में स्थित लटियाल माता के मंदिर परिसर में नवरात्रि दिनों में मेला लगता है, स्थानीय सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु नगर पालिका

राजकीय चिकित्सालय फलोदी

परिसर में टाउन हॉल निर्मित है, शहर के अन्य प्रमुख धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थानीय स्टेडियम मैदान में आयोजित किये जाते हैं।

धार्मिक, ऐतिहासिक एवं धरोहर स्थल

'फलोदी' शहर धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, यहाँ स्थित १४ वीं एवं १५ वीं शताब्दी के मध्य निर्मित ऐतिहासिक स्थल एवं मंदिर कलात्मक कार्यों के लिये प्रसिद्ध है, यहाँ के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों में किला, कल्याण रावजी का मंदिर, लटियालजी का मंदिर एवं शान्तिनाथजी का मंदिर प्रमुख है। प्राचीन धरोहर स्थलों में यहाँ स्थित हवेलियां जिनमें ढढ्ढों की हवेली, सांगीदास की हवेली तथा ढूंठीया व्यासों की हवेली आदि प्रमुख हैं।

फलोदी में जिनालय

➡ श्री शान्तिनाथ भगवान का जिनालय, सदर बाजार, प्रतिष्ठा वि.सं. १५५० (५१६ वर्ष)
➡ श्री गौड़ी पार्श्वनाथ जिनालय, त्रिपोलिया बाजार, प्रतिष्ठा वि.सं. १९०६ (१६० वर्ष)
➡ श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय, राणीसर तालाब, प्रतिष्ठा **शेष पृष्ठ १६ पर...**

पृष्ठ १५ से... वि.सं. १९४० (१२६ वर्ष)
➡ श्री आदीश्वर भगवान जिनालय, सदर बाजार. प्रतिष्ठा वि.सं. १९४८ (११८ वर्ष)
➡ श्री शीतलनाथ भगवान जिनालय, गांधी चौक, प्रतिष्ठा वि.सं. १९५१ (११५ वर्ष)
➡ श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय, लुणावतों का बास, प्रतिष्ठा वि.सं. १९०४ (१६२ वर्ष)
➡ श्री संभवनाथ जिनालय, सरदारपुरा, प्रतिष्ठा वि.सं. १९८९ (७७ वर्ष)
➡ श्री महावीर स्वामी जिनालय, जसवंतपुरा, प्रतिष्ठा वि.सं. १९९७ (६९ वर्ष)
➡ श्री नेमीनाथ जिनालय, राणीसर तालाब, प्रतिष्ठा वि.सं. १९९९ (६७ वर्ष)
➡ श्री नाकोडा पार्श्वनाथ जिनालय, सुमेरपुरा, प्रतिष्ठा वि.सं. २०४३ (२३ वर्ष)

दादावाड़ी

➡ श्री वीरसर दादाबाड़ी, (श्री जिनकुशलसूरि चरण पादुका), प्रतिष्ठा वि.सं. १७६१ शाके १६२६ (३०५ वर्ष)
➡ श्री शिवसर दादावाड़ी, (श्री जिनकुशलसूरि चरण पादुका), प्रतिष्ठा वि.सं. १९०० (१६६ वर्ष)
➡ श्री रत्नप्रभुसूरि दादाबाड़ी, (चरण पादुका), प्रतिष्ठा वि.सं. १९७५ (९१ वर्ष)
➡ श्री राणीसर दादाबाड़ी श्री, जिनदत्तसूरि (चरण पादुका प्रतिष्ठा वि.सं. १८९९) (१६७ वर्ष) प्रतिमा वि.सं. २०२७
➡ श्री नूतन दादाबाड़ी, श्री जिनदत्तसूरि व श्री जिनकुशलसूरि प्रतिष्ठा वि.सं. २०४३

पूजनीय स्थल

● कोचर, मोहता कानूगा कुलदेवी श्री विशहत्थ (बीस भुजा) माताजी का मन्दिर
● (वि.सं. १५१५) नया तालाब के पास व कानूगा स्ट्रीट।
● श्री गौडी पार्श्वनाथजी की शाल (भगवान के चरण पादुका वि.सं. १८६०) मणीभद्रजी की प्रतिमा वि.सं. १३१२.
● श्री केसरीयानाथजी की छतरी (आदेश्वर चरण पादुका बि.सं. १७६४) राणीसर तालाब के पास.
● वैद गोत्रीय कुलदेवी श्री सचियाय माताजी का मन्दिर व श्री शान्ति गुरुदेव के चरण पादुका, वैदों की बगेची, श्री गुलेच्छा देव भवन (दादीमां) वि.सं. १९७३ व प्रतिमा श्री जिनदत्तसूरीजी वि.सं. १९७४
● लूंकड़ों के श्री केर दादाजी (भोमियाजी) का मन्दिर वि.सं. २०१५ भैय्या नदी के पास.
● श्री विजय शान्ति गुरु भक्ति हॉल. (वि.सं. २०४६) राइकाबाग.

अन्य सामुदायिक सुविधाएं:

'फलोदी' शहर में मनोरंजन के सीमित साधन उपलब्ध हैं, यहाँ आमजन

के मनोरंजन हेतु दो सिनेमा गृह है, जिसमें से एक शहर के भीतरी क्षेत्र में लटियाल टॉकीज के नाम से तथा दूसरा शहर के बाहरी क्षेत्र में आदर्श नगर आवासीय योजना के समीप एम.के. सिनेमा के नाम से स्थित है, इसके अतिरिक्त नगरपालिका परिसर में सार्वजनिक पुस्तकालय संचालित है, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नगरपालिका एवं स्ववित्त पोषित संस्थाओं द्वारा एक वाचनालय संचालित है, नगरपालिका भवन के समीप ही टाउन हॉल एवं राजकीय डाक बंगला स्थित है। रेल्वे स्टेशन के समीप धर्मशाला एवं निजी विश्राम गृह स्थित है, शहर में अन्य सामुदायिक सुविधाओं के अंतर्गत कानून व्यवस्था हेतु एक पुलिस स्टेशन है, नगर में दूरभाष केन्द्र, तार एवं डाकघर आदि प्रमुख जनसुविधाएँ उपलब्ध हैं।

भड़ला सोलर पार्क १० हजार हैक्टेयर में फैला है

फलोदी के भड़ला (बाप) क्षेत्र के पूर्व में स्थापित २२५५ मेगावॉट क्षमता के सोलर पार्क के लिए १० हजार हैक्टेयर जमीन आवंटित की गई थी, जिसका विकास तीन चरणों में किया जाना है, यहां से वर्तमान में रोजाना करीब ३८ लाख व आस-पास के क्षेत्रों में स्थापित सौर ऊर्जा इकाइयों से रोजाना करीब २८ लाख यूनिट विद्युत उत्पादन हो रहा है।

राजस्थान का भादला सोलर पार्क भारत के सबसे बड़े सोलर पार्कों में से एक है। ५६ वर्ग किलोमीटर में फैले इस पार्क की वर्तमान क्षमता २,२४५ मेगावाट है।

गाल के लड्डू राजस्थान के फलौदी की एक बहुत प्रसिद्ध और पारंपरिक मिठाई है, इसे आटे, खोया, घी और चीनी से बनाया जाता है, सूखे गुलाब की पंखुड़ियाँ इस रेसिपी की मुख्य सामग्री हैं।

प्रकृति की सुंदरता को सजाए हुए
जोधपुर का एक जिला 'फलोदी' के
इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

Jitendra Joshi (Papu Joshi)
Mob.: 9892503989, 9321503989
9/10 Sudarshan Chs, Jagdusha Nagar, Ghatkopar West,
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400086
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

फलोदी की पवित्र माटी में जन्में - श्री कलापूर्ण सूरीश्वरजी म.सा.

फलोदी: प्रभु भक्ति - एक ऐसा शब्द जिसका हम आमतौर पर इस्तेमाल करते हैं या फिर रोज़ाना इसका अभ्यास करते हैं, आचार्य कलापूर्ण सूरीश्वरजी महाराज इसे परिभाषित करते हैं, उन्होंने प्रभुभक्ति को अपने जीवन जीने का एकमात्र कारण बनाया, एक आचार्य जो अपने समुदाय के ६०० साधुओं का गुरु होकर भी परमात्मा के सामने छोटा बच्चा बन गया, प्रस्तुत है 'भक्तियोगी', 'अध्यात्मयोगी', 'ज्ञानयोगी', 'कर्मयोगी' कच्छ वागड़ समुदाय रत्न प. पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय कलापूर्ण सूरीश्वरजी महाराज का संक्षिप्त परिचय:

प्रारंभिक जीवन और दीक्षा

आचार्य कलापूर्ण सूरीश्वरजी महाराज का जन्म वैशाख सुद २ विक्रम संवत १९८० (०५-०५-१९२४) को फलौदी, राजस्थान में पिता पाबूदानजी और माता खमाबाई के घर हुआ था, उनका नाम अक्षयराज रखा गया। बचपन से ही जैन धर्म और उसके अनुष्ठानों से गहरा लगाव था, इस महान महात्मा को आकार देने में एक महत्वपूर्ण योगदान उनके मामा श्री माणेकचंदजी का रहा, जिन्होंने अक्षयराज को ९-१० वर्ष की छोटी उम्र से ही प्रशिक्षित किया, उनमें सभी के प्रति विनम्रता, विवेक और सम्मानजनक व्यवहार का गुण था, बहुत कम लोग जानते हैं कि गुरुदेव की गायन कला में गहरी रुचि थी और वे पेशेवर रूप से प्रशिक्षित गायक और संगीतकार के रूप में मंडलों में हारमोनियम और अन्य वाद्ययंत्र बजाते थे, जहाँ उन्होंने विभिन्न धार्मिक समारोहों में सक्रिय रूप से भाग भी लिया, वे जिनालय में पूजा, चैत्यवंदन और जिनभक्ति के अन्य रूपों में प्रतिदिन औसतन २-३ घंटे बिताते थे, भक्ति में उनकी रुचि ने ही उन्हें छोटी सी उम्र से ही सांसारिक इच्छाओं से दूर कर दिया, कौन जानता था कि यही वह समय था जब प्रभुभक्ति के बीज बोये जा रहे हैं, दुनिया को उससे एक विशाल वृक्ष उगता हुआ दिखाई देने वाला है।

दीक्षा जीवन

मुनि कलापूर्ण विजयजी ने आत्मसाधना की अपनी यात्रा शुरू की, उन्होंने शांति, संयम और आत्म-खोज से भरा जीवन व्यतीत किया, वे सभी आयु वर्ग के सभी साथी महात्माओं के प्रिय थे, उनका मानना था कि क्रोध का किसी के जीवन में कोई स्थान नहीं होना चाहिए, उन्होंने उसी का अभ्यास और प्रचार किया। सूरत में अपने एक चातुर्मास के दौरान, उन्हें पता चला कि संघ के प्रमुख सदस्यों में से दो को छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आने की आदत थी, उन्होंने उन दोनों को बुलाया और उन्हें यह संकल्प दिलाया कि जो कोई भी व्यक्ति क्रोधित होगा, वह जिनालय के दानपेटी में १०,०००/- रुपये की राशि डालेगा, वे जानते थे कि दंड अपराध के अनुरूप होना चाहिए, वे इन दोनों में से एक से ५ साल बाद मिले और पूछा कि उन्हें कितनी बार दानपेटी में १०,०००/- रुपये डालने पड़े, उस व्यक्ति ने उत्तर दिया 'एक बार भी नहीं!' हाँ, यह गुरुदेव का प्रभाव था!

परमात्मा भक्ति

उनकी प्रभु भक्ति ही उनकी पहचान थी। वीतराग परमात्मा के सच्चे भक्त, परमात्मा के दर्शन मात्र से ही उन्हें अनगिनत भावनाएं महसूस होती थी, प्रभुजी के सामने घंटों-घंटों समय बिताना, उनकी दिनचर्या थी, वे अवसर की प्रतीक्षा में रहते थे कि कब कुछ निजी समय मिले, जो उनके हृदय पर राज करता हो और हर पल को यादगार बना सके, उनकी उत्कट भक्ति इस बात से देखी जा सकती थी कि वे परमात्मा के सामने ५,७,९ या कभी-कभी १५-१७ स्तवन (भक्ति गीत) गाते थे और कभी थकते नहीं थे, बस अवसर की प्रतीक्षा करते थे, कई बार कुछ विशेष दिनों पर उपवास भी करते थे, ताकि उन्हें प्रभुजी के साथ कुछ और समय बिताने का मौका मिल सके। लोग कहते हैं कि बचपन में अपने पिता को कुछ पाने के लिए मनाते देखा है (मोक्ष ही वह चीज है जिसकी उन्हें हमेशा तलाश रहती थी) जिनालय से विदा होते समय रोते हुए देखा है, यह उनके हृदय में जिनभक्ति का वह ही स्तर था। परमात्मा और जिनालय उनके हृदय के बहुत करीब थे।

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम
'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

जयप्रकाश हरिवंश व्यास

Mob.: 9821121756

७-६/१२, रतन ज्योति, ३ रा माला, जे. बी. नगर,
अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत-४०००५६

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

धार्मिकता और प्रकृति का
अद्भुत संगम 'फलोदी' के इतिहास
प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

Vinod Kumar Jain

Mob.: 93295 67092

Mahaveer Enterprises

C-187 Sector 5 Tagore Nagar,
Near Dr. G.B. Gupta, Raipur, Chhattisgarh,

फलोदी नगर इतिहास के झरोखे से...

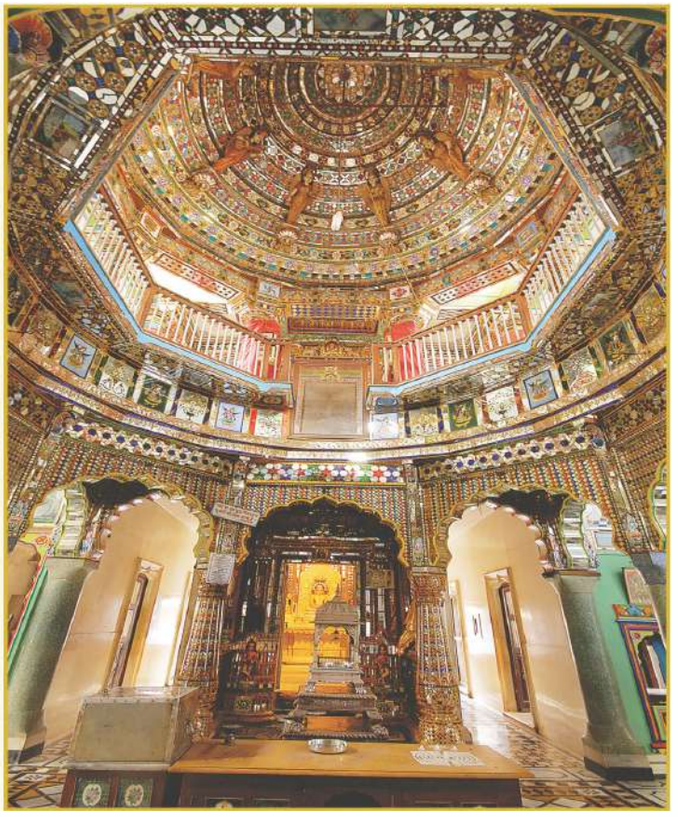

भारत देश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में राजस्थान राज्य (मारवाड़ देश) में बसा हुआ है 'फलोदी' नगर, अंतर के हृदय के भावों से सिंचित रोम-रोम में प्रसन्नता के गीत प्रस्फुटित करने वाले अपने मातृभूमि 'फलोदी' नगर की शालीनता गौरवमयी परम्पराओं से सर्जित है, अनेक कलात्मक शिल्प शास्त्र अनुरूप निर्मित जिन मन्दिरों, धार्मिक आराधना स्थलों के साथ-साथ शिल्पकला से परिपूर्ण कलात्मक विशाल हवेलियाँ, किला, व्यवहारिक-धार्मिक पाठशाला, स्कूल, जनसाधारण के उपयोग में आने वाले स्वास्थ्य केन्द्र (अस्पताल) विभिन्न न्यात के न्याति नौहरों, पांजरापोल आदि सामाजिक स्थलों से हमारी मातृभूमि फलोदी सुसज्जित है।

किंवदंतियों के हिसाब से अपने 'फलोदी' (फलवृद्धिका) का प्राचीन नाम विजयपुर पाटन रहा है, विक्रम संवत् के १०वीं एवं ११वीं सदी में यहाँ राजपूत राज्य करते थे, यह 'फलोदी' शहर कुछ समय जोधपुर रियासत में, कुछ समय जैसलमेर के रावल के अधिकार में एवं कुछ समय बिकानेर के राठौड़ों के अधिकार में रहा है।

जैसलमेर- आसनी कोठ से पुष्करणा ब्राह्मण सिद्धजी कल्ला अपने साथ रथ में लटियाल माताजी की प्रतिमा लेकर रवाना हुए, जोधपुर के राव जोधाजी के विश्वास पात्र खजाँची डिडुगोत्रीय शाह मेहपालजी के पुत्र कोचरजी अपने साथ रथ में अधिष्ठात्री विशहत्थ माता की मूर्ति लेकर रवाना हुए, प्रयाण करते-करते दोनों ही रथ आज के 'फलोदी' पहुँचे। कुदरत से लटियाल माताजी का रथ खेजड़ी के पेड़ से अटक कर रूक गया एवं विशहत्थ मातजी का रथ नदी के किनारे रूक गया, अनेक प्रयत्नों के बावजूद जब रथ आगे नहीं बढ़े तो दैवीय इच्छा एवं शुभ निमित्त जानकर सभी ने यहीं अपना वास स्थान बना लिया, इस प्रकार विक्रम संवत् १५१५ में पुनः 'फलोदी' नगर की स्थापना हुई। किंवदंतीनुसार जोधपुर के राव जोधाजी के पौत्र राव नरा (राव सुजाजी के पुत्र) ने फलोदी का राज संभाला, उसके पश्चात् उनके पुत्र राव हमीर ने अपने राज्याभिषेक के साथ ही 'फलोदी' में किला का नव निर्माण करवाया, धन अभाव से निर्माण कार्य रूक गया था, तब सिद्धजी कल्ला के प्रेरणा से उनकी पुत्री फला ने अपना काफी धन किले के निर्माण में लगाया। कहा जाता है कि फला के इस त्याग से प्रेरित हो राव हमीर ने इसका नाम फलाधी रखा जो कालान्तर में फलोदी के नाम से जाना जाने लगा।

हमारी भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों का समावेश है। तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकान्तवाद जैसे सिद्धांतों के बीच वर्तमान समय में सारे विश्व में आतंकवाद एवं हिंसा का ताण्डव नृत्य व्याप्त है। परस्पर वैमनस्य की एवं पाशविक प्रवृत्तियाँ पनप रही है, परन्तु आज हम में तीर्थंकरों द्वारा प्रदत्त अहिंसा की गंगा अपरिग्रह की यमुना एवं अनेकान्तवाद की सरस्वती में बह रही है।

परमात्मा की ओर, प्रेम की ओर, मुक्ति की ओर कदम बढ़ाने वाले कई ज्ञानी, ध्यानी, योगी, दानी, परोपकारी, परमार्थी संतों एवं महापुरुषों ने फलोदी नगर को सुशोभित किया है, ऐसे महापुरुष, जो समाज के शिथिलाचार को सुधारकर जन-जन में सन्मार्ग की प्रेरणा देने वाले, जिनकी वाणी में माधुर्यता, ओजस्विता, प्रभावोत्पादकता रही है, वे महापुरुष छगनसागरजी म.सा. विशुद्ध चारित्र पालक श्री कंचनविजयजी म.सा. अनेकों साहित्यों के रचयिता श्री ज्ञानसुन्दरजी म.सा., शांतमूर्ति आध्यात्म योगी आचार्य देव श्री कलापूर्णसूरीश्वरजी म.सा. एवं अनेकों साधु-साध्वी वृंदों ने जिन शासन में 'फलोदी' की एक अलग एवं अमिट छाप बनायी है।

'फलोदी' में बारह वृतधारी श्रावक, धर्म निष्ठ श्रावक-श्राविकाएँ हुए हैं जिन्होंने जिनशासन की शोभा बढ़ाई है। अनेकों जनहित कार्यों में भी सहयोग दिया है, कई दानवीर कर्मवीर यहाँ पर हुए हैं जिन्होंने अपनी जैन संस्कृति को जीवंत रखने में अपना तन-मन-धन अर्पण किया है, इनके सहयोग से यहाँ पर दस दिव्य-भव्य कलात्मक जिनालयों का निर्माण हुआ है। दादावाड़ियों का निर्माण हुआ है। वर्तमान में फलोदी से काफी परिवार सम्पूर्ण भारतवर्ष में आजीविका हेतु प्रयाण कर 'भारत' के विभिन्न क्षेत्रों में बस गये हैं, वे भी अपने-अपने क्षेत्र में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर 'फलोदी' की आन-शान एवं बान को बढ़ा रहे हैं।

- डॉ. मनोज गोलेच्छा
चैन्नई, भारत

फलोदी में पर्यटन स्थल

श्री गौड़ी पार्श्वनाथ जी का मंदिर

फलोदी: नमक शहर के नाम से प्रसिद्ध 'फलोदी' शहर के त्रिपोलिया गेट पर सवा सौ साल पुराना तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी को समर्पित शानदार देरासर, जिसे कांच वाले देरासर के नाम से भी जानते है, बहुत ही अद्भुत जैन देरासर है।

श्री गौड़ी जी पार्श्वनाथ मंदिर

श्री गौडी जी पार्श्वनाथ के नाम से विख्यात पार्श्वनाथ भगवान की पद्मासन मुद्रा में सफेद रंग की आकर्षक सुंदर प्रतिमा विराजित है, मूलनायक के दोनों ओर भी तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी की ही प्रतिमा है। विदित हो कि देरासर में आचार्यश्री कनकसूरिजी के हस्ते विक्रम संवत् १९०६ माघ सुदी दसमी बुधवार के शुभ दिन प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ था।

जिन शासन की धर्म पताका फहरा रहा जैन देरासर तीन मंजिला बना हुआ है। प्रथम तल पर श्री गौडी जी पार्श्वनाथ दादा विराजमान हैं, दूसरे तल पर मूलनायक प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभ देव जी विराजमान हैं, वहीं तृतीय तल पर मूल नायक श्री सीमंधर स्वामी जी की प्रतिमा विराजमान है।

देरासर बेल्जियम रंगीन कांच के टुकड़ों से बहुत ही कलात्मक तरीके से सजाया संवारा गया है। देरासर की विशेषता यह है कि इसके पट में सूर्य का प्रकाश नजर आता है, देरासर के करीब में यात्रियों की सुविधा के लिए भोजनशाला एवं धर्मशाला की व्यवस्था भी है।

तीर्थंकर शांतिनाथ जी का मन्दिर

मंदिर का निर्माण १६ वीं शताब्दी के अन्दर कोचर गोत्रिय श्रेष्टीवरियों ने करवाया, इसका प्रथम जीर्णोद्धार विक्रम संवत १६८९ मिग्सर सुदि १३ को पूज्य श्री विनय विजय गणिवर्य की प्रेरणा से महाराजाधिराज श्री गजसिंह जी के मंत्री मुणोत गोत्रिय श्री जयमाल जी के सुत्रधार वैद्य गोत्रिय श्री पाल जेठाणी व सोमपुरा अलिमामधी (बीकानेर) के द्वारा करवाया गया, जिसका शिलालेख पूर्व निर्मित मंदिर के मूल गंभारे के बाहर तलघर में अंकित है।

७वीं सदी में मंदिर को भव्य निर्मित करवाने की प्रेरणा पूज्यश्री मोहनलाल जी म. सा. के शिष्य पू. श्री वर्ष मुनिजी गणिवर्य ने ली तथा विक्रम संवत १९७२ में फलोदी चातुर्मास कर प्रतिष्ठा करवाई, श्री मोहनलाल जी म.सा. की गुरु मुर्ति मंदिर में विराजित है।

मंदिर के अन्दर की दीवार पर लगी टाईल्स विदेश से आई थी। महावीर स्वामी, गौतम स्वामी आदि अनेक प्रकार की टाईल्स मंदिर में विद्यमान है। रंग मंडप में कांच का झूमर, हाडिया, गोले आदि बेल्जियम निर्मित है। मूल गंभारे के बाहर व रंग मंडप में कॉच व सोने की स्याही का कार्य ७०-८० वर्ष पूर्व जावला (नागौर) के कारीगरों द्वारा किया गया है। मंदिर के बाहरी भाग में लाल रंग के पत्थर पर बारीक खुदाई का कार्य यहां की शिल्पकला देखने योग्य है, मंदिर के अदिष्टायक देव श्री मणिभद्रजी महाराज चमत्कारी है।

परमात्मा के मूल स्थान (मंदिर) तलघर में है, जहाँ परम पू. श्रीहीरसुरिश्वर जी म. सा. की चरण पादुका प्रतिष्ठित है। वर्तमान समय में तीर्थंकर शांतिनाथ जी का मंदिर व श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ जी का मंदिर (राणीसर तालाब पर) की व्यवस्था श्री जैन तपगच्छीय संघ पेढी के अन्तर्गत होता है।

कल्याणरायजी का मंदिर

कल्याणरायजी का मंदिर राजस्थान का एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है जो भगवान विष्णु को समर्पित है। 'फलोदी' शहर के मध्य सदर बाजार स्थित कल्याणरायजी का मन्दिर वि. संवत १२३६ लगभग ८४२ वर्ष पूर्व बनाया गया तब 'फलोदी'

कल्याणरायजी मंदिर

को विजयपुर पाटन के नाम से जाना जाता था, यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंदिर का इतिहास राजा डिग्व और अप्सरा उर्वशी से जुड़ा है। किंवदंती है कि राजा डिग्व को कुष्ठ रोग था और भगवान विष्णु की कृपा से उन्हें समुद्र से प्राप्त एक मूर्ति मिली, जिसे उन्होंने डिग्गी में स्थापित किया और इस मूर्ति को 'कल्याणजी' के रूप में पूजा जाता है। यह मंदिर त्वचा रोगों के उपचार से संबंधित मान्यताओं के लिए भी प्रसिद्ध है। प्राचीन विजयापाटन के एक मात्र जीवित साक्ष्य 'फलोदी' के सबसे पुराने मंदिर का इतिहास, जिसका जीर्णोद्धार सम्राट पृथ्वीराज चौहान के सामंत ने करवाया था।

श्री मुनिसुव्रतस्वामी जी का मन्दिर

यह मन्दिर 'फलोदी' शहर में लुणावतों के बास में अवस्थित है। मन्दिर के मूल-गम्भारे में भगवान मुनिसुव्रत स्वामी की प्रतिमा विराजमान **शेष पृष्ठ २० पर...**

श्री मुनिसुव्रतस्वामी भगवान

पृष्ठ १९ से... है। बायीं ओर श्री संभवनाथ जी की एवं दायीं ओर श्री चन्द्रप्रभु स्वामी की प्रतिमा विराजित है। मन्दिर के मुख्य द्वार के सामने गौतम स्वामी गणधर की प्रतिमा व उनके पास में अधिष्ठायक देव भैरूजी की चरण पादुका है, इनके पास ही दादा श्री जिन कुशलगुरुदेव की चरण पादुका है।

मन्दिर के चारों तरफ दिवारों पर हाथ से बने काफी आकर्षक पट बने हुए हैं जो मन्दिर को शोभायमान कर रहे हैं। मन्दिर के मुख्य द्वार के बायीं तरफ पु. यति श्री रतनलालजी की पाट गद्दी आज भी विद्यमान है।

सुमेरपुरा में है तीर्थंकर महावीर स्वामी जी का मंदिर

'फलोदी' शहर के मध्य भूभाग के सरदारपुरा क्षेत्र में चौबीसवें तीर्थंकर श्री महावीरस्वामी का जिनालय अवस्थित है, इस मन्दिर में मूलनायक श्री महावीरस्वामी के दाई तरफ में श्री अजितनाथजी व श्री गौतमस्वामीजी की प्रतिमा विराजित है

महावीर स्वामी जी मंदिर

व बायीं और श्री सुपार्श्वनाथजी व श्री सुधर्मास्वामीजी की प्रतिमा प्रतिष्ठित है, इन सभी प्रतिमाओं के पास में अष्टधातु की सुन्दर कलात्मक आकर्षक १६ प्रतिमाएँ एक अष्ट कमल में चार धातु की प्रतिमाएँ विद्यमान हैं।

मूल गम्भारे के दाईं तरफ से आचार्य श्री विजयानंदसूरीश्वरजी, आचार्य श्री जगचन्द्रसूरीश्वरजी व आचार्य विजय श्री कमलसूरीश्वरजी की मूर्तियाँ विद्यमान हैं, उनके पास ही दीवार में अधिष्ठायक देव श्री मातंग यक्ष भी विराजित है, ठीक इनके सामने की दीवार में श्री सिद्धायिका देवी की प्रतिमा प्रतिष्ठित है। श्री मणिभद्र यक्ष महाराज भी विराजित

प्रकृति की सुंदरता को सजाए हुए
जोधपुर का एक जिला 'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

Sri Krishan Bhattad
Mob.: 9840610244

101, P.B.Road, Doveton, Chennai,
Tamilnadu, Bharat- 600007
Email: bbhattad.co@gmail.com

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

है। सभा मण्डप के चारों ओर दिवारों पर हस्तकारित चित्रावली मन्दिर की शोभा बढ़ा रही हैं। मन्दिर के नीचे बनी तपागच्छीय विशाल धर्मशाला व उसका विशाल व्याख्यान हाल व इसमें लगी हुई अनेकों जैनाचार्यों की तस्वीरों से ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ अनेकों विद्वान आचार्यों एवं गुरुभगवंतों के चातुर्मास हुए होंगे, इसके पास तपागच्छीय आयंबिल शाला भी है, मन्दिर की प्रतिष्ठा वि.सं. १९९७ मिति माघ सुदी १४ सोमवार को जैनाचार्य श्रीमद् विजय लब्धिसूरीश्वरजी ने करवाई थी। व्यवस्था श्री भैरूलालजी प्रकाशचंदजी लूंकड़ सोलापुर के देख-रेख में चलती है।

सुमेरपुरा में ही है तीर्थंकर श्री संभवनाथ जी का मंदिर

श्री संभवनाथ भगवान का यह जिनालय 'फलोदी' शहर के मध्य में सुमेरपुरा (मालूवों का बास) में स्थित है। अष्ट धातु से निर्मित मूलनायक श्री संभवनाथ

श्री संभवनाथ जी का मंदिर

भगवान चाँदी के सिंहासन में विराजमान है, प्रतिमा के पास ही नीचे की ओर अष्ट धातु की पार्श्वनाथजी, महावीर स्वामीजी, संभवनाथजी एवं जिनशासन के चौबीसों तीर्थंकरों की आकर्षक प्रतिमाएँ विद्यमान हैं।

मन्दिर के सभा मण्डप में हस्तकृत श्री सिद्धचक्रजी व श्री भगवान महावीर स्वामी का स्वर्ण पट्ट मन्दिर की शोभा बढ़ा रहा है। मूल गम्भारे के दाँयी तरफ में प्रथम गणधर श्री गौतमस्वामी महाराज विराजमान हैं व उनके पास में त्रिमुख यक्ष की प्रतिमा है। मूल गम्भारे के बायीं तरफ दादा श्री जिनकुशलसूरीश्वरजी म.सा. एवं दुरितारि देवी की प्रतिमा विद्यमान है। मन्दिर का निर्माण करवाने वाले व फलोदी शहर के दानवीर सेठ सुश्रावक स्व. श्री किशनलालजी लुणावत की मूर्ति भी यहाँ है। सभा मण्डप के चारों ओर की दीवारों में हस्तकृत पुरानी कलात्मक चित्रकारिता मन्दिर की शोभा में चार चाँद लगाती है, मन्दिर के नीचे एक विशाल सम्भव धर्मशाला बनी हुई है जिसका विशाल सभा मण्डप देखने योग्य है। धर्मशाला में पुराने इतिहास का एक बड़ा साहित्यिक संग्रहालय है।

सदर बाजार के मध्य है तीर्थंकर आदेश्वर जी का मंदिर

यह मन्दिर 'फलोदी' के मुख्य बाजार (सदर बाजार) के मध्य भाग में है, मन्दिर

तीर्थंकर आदेश्वर जी का मंदिर

में मूलनायक श्री आदीश्वर दादा हैं, माना जाता है कि राव सुजाजी के द्वारा 'फलोदी' नगर के किले में निर्मित जिन मन्दिर के शेष पृष्ठ २१ पर...

एक दिन विश्व के मानचित्र Globe में
INDIA की जगह BHARAT जरूर लिखा जाएगा।
जय भारत!

Late. Tarachand Khater
Sanjay Khater
Mob: 9886716029 / 8026619776

New President
Optical House
Since 1986

#21/1 Aradhya Complex Vanivilas Road,
Basavangudi (Near National College)
Bengaluru, Karnataka, Bharat-560004
email: Presidentoptical902@gmail.com

पृष्ठ २० से... मूलनायक भगवान मंदिर में अभी प्रतिष्ठित हैं। मूलनायक के दोनों तरफ में ७ प्रतिमाएँ हैं जो मन्दिर की शोभा बढ़ा रहे हैं। मन्दिर के मूल गम्भारे के सामने श्री गौतमस्वामीजी की प्रतिमा विराजित है। मूल गम्भारे के बाहर की तरफ से एक तरफ चक्रेश्वरी देवी व दूसरी तरफ गोमुख यक्ष की मूर्तियाँ हैं। मन्दिर के दाईं तरफ में दादा जिन कुशलसूरी की प्रतिमा है, यही एक केसरीयानाथजी की चरण पादुका, श्री महावीर स्वामी की प्रतिमा, व दादा जिनदत्तसूरीश्वरजी म.सा. की प्रतिमा विराजित है। बगल के कक्ष में श्वेत पाषाण की १३ प्रतिमाएँ व २० धातु की प्रतिमाएँ प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के चारों तरफ दीवारों पर स्वर्ण लिखित हाथ के बने पट्ट बने हुए हैं। मन्दिर के बायीं तरफ चौमुखी प्रतिमाएँ है, इनके पास ही अधिष्ठायक देव विद्यमान हैं, मन्दिर की प्रतिष्ठा वि.सं. १९४८ वैशाख शुक्ल ३ को श्री ऋद्धिसागरजी म.सा. ने करवाई थी। कहा जाता है कि जिनमंदिर की प्रतिष्ठा में दिग्गपालों व नक्षग्रहों के पूजा के समय बाकुला देते समय आकाश में उछाला गया, जिसमें बलि बाकले नारियलादि जमीन पर नहीं गिरे, नारियल के छिलके ही नीचे गिरे। प्रतिष्ठा के समय सूर्य की प्रचण्ड गर्मी के मध्य मन्दिर के आसपास वर्षा होना व वरघोड़े के समय चर्मभेदीनी गर्मी की चिंता के कारण बादलों ने बिखरकर मेघमाल का रूप धारणकर रिमझिम वर्षा की और गर्मी को शांत करना, प्रतिष्ठा में गणाधीश ऋद्धिसागरजी, भगवानसागरजी, सुमतिसागरजी, छगनसागरजी भी थे।

नाहटों के वास में है श्री नाकोडा पार्श्वनाथ जी का मंदिर

यह मन्दिर शहर के मध्य भाग नाहटों के वास में है, इस मन्दिर के दूसरे मंजिल में मूलनायक श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जी बिराजमान हैं, इनके दाईं तरफ में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ व बायीं तरफ में श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ की प्रतिमा विराजमान है। मूल गम्भारे के बाहर श्री नाकोडा भैरव एवं श्री धरणेन्द्र देव की प्रतिमा है,

ठीक इनके सामने श्री धरणेन्द्र पद्मावती एवं श्री गौतमस्वामीजी की प्रतिमा है, मंदिर का सभामंडप बड़ा ही शोभनीय है।

मंदिर परिसर में प्रथम तल में दादा श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी व दादा श्री कुशलसूरीश्वरजी गुरुदेव की प्रतिमा है। दादावाड़ी में दाईं तरफ में गोरा भेरू व इनके पास में पूज्य गुरुदेव श्री कविन्द्रसागरजी म.सा. व ठीक इनके सामने श्री काला भैरुजी एवं श्री प्रेमश्रीजी म.सा. की प्रतिमा है। साध्वी श्री कमलाश्रीजी म.सा. की प्रेरणा से बना यह मंदिर व दादावाडी की प्रतिष्ठा सं. २०४३ माघ सुदी ७ को आचार्य श्री जिन कान्तिसागर सूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य गणीवर्य श्री मणिप्रभ सागरजी म.सा. के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुई, मन्दिर व दादावाड़ी का भूमि दान खेरागढ़ निवासी श्री सरदारमलजी डाकलिया के सुपुत्र कंवरलालजी डाकलिया आदि परिवार ने किया।

गांधी चौक में है तीर्थंकर शीतलनाथ जी का मंदिर

श्री शीतलनाथ भगवान का जिनालय 'फलोदी' के व्यस्ततम बाजार गांधी चौक में है, मन्दिर में मूलनायक श्री शीतलनाथ जी की अति **शेष पृष्ठ २२ पर...**

पृष्ठ २१ से... चमत्कारिक, मनमोहक व प्रभावशाली प्रतिमा विराजमान है, दाई तरफ तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी व बायीं तरफ में कुंथुनाथ जी की प्रतिमा विराजित है। अष्ट धातु की अनेकों प्रतिमाएँ एवं अष्ट कमल में चार धातु की प्रतिमाएँ विद्यमान है। मूल गम्भारे में ही अधिष्ठायक देव श्री भैरुजी स्थापित है, कहा जाता है कि इस मूल गम्भारे में कभी ताला नहीं लगा, मूल गम्भारे के अंदर प्रज्जवलित अखंड ज्योत से सदा केसर बरसता रहता है। मन्दिर के सभा मण्डप के दाईं तरफ तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी व श्री गौतम स्वामीजी की प्रतिमा व चरण पादुका प्रतिष्ठि

शीतलनाथ का मंदिर

त है, ठीक इसके पास श्री पार्श्वनाथ जी की पुरानी चरण पादुका भी विद्यमान है, सभा मण्डप के चारों ओर दीवारों पर आकर्षक सुन्दर चित्रावली मन्दिर की शोभा बढ़ा रहे हैं, मंदिर के बाहरी भाग में दीवारों पर पाषाण की नयनरम्य कारीगरी दर्शकों की आँखों का नूर बन जाती है, इस मन्दिर के पास एक उपाश्रय भी है, मन्दिर की प्रतिष्ठा वि.सं. १९५१ में हुई थी।

रानीसर तालाब के पास है तीर्थंकर नेमिनाथ जी का मंदिर

श्री नेमिनाथ भगवान का मन्दिर, 'फलोदी' नगर में स्थित 'रानीसर' तालाब के पास है, इस मन्दिर में मूल प्रतिमा श्री नेमिनाथ जी की है, प्रतिमा के बायीं तरफ श्री सुमतिनाथ जी एवं दाईं तरफ श्री विमलनाथ जी की प्रतिमाएँ विद्यमान है। मूल गम्भारे के बायीं तरफ दादा गुरुदेव अभयदेवसूरीजी व दाईं तरफ में दादा गुरुदेव श्री जिन कुशलसूरीश्वरजी म.सा. की प्रतिमाएँ स्थापित हैं। मन्दिर के मुख्य द्वार के ठीक सामने श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा है, उनके बायीं तरफ गणधर श्री गौतमस्वामीजी एवं दाईं तरफ में श्री शान्तिसूरीश्वरजी गुरुदेव विराजमान हैं। मन्दिर के पूर्व दिशा में तीर्थंकर अजीतनाथजी व उनके पास पार्श्वनाथजी की प्रतिमा विराजमान है।

श्री नेमिनाथ जी के अधिष्ठायक देव श्री गोमेध यक्ष की प्रतिमा मन्दिर के मूल गंभारे के दाईं तरफ व अम्बिका देवी की मूर्ति बाईं तरफ विराजित है। पूज्य गुरुवर्या श्री देवश्रीजी महाराज की मूर्ति भी है तथा मन्दिर में करीबन डेढ़ इंच

तीर्थंकर नेमिनाथ जी का मंदिर

की छोटी-सी पार्श्वनाथ जी की प्रतिमा मुल गम्भारे में बायीं तरफ के एक कोने में विद्यमान है, मन्दिर की प्रतिष्ठा श्री शान्तिसूरीश्वरजी के उपदेश से पूज्य गणिवर्य श्री रंगविमलश्रीजी म.सा. की शुभ निश्रा में वि.सं. १९९९ वीर संवत् २६६९ मिति माघ सुदी ११ सोमवार को हुई, प्रतिष्ठा के मुख्य कार्यकर्ता श्री प्रेमसुन्दरजी यतिजी थे और प्रतिष्ठा में श्री शान्ति गुरुदेव द्वारा भेजा गया वासक्षेप काम में लिया गया, श्री नेमीनाथ जी की प्रतिमा बनारस से लाई गई तथा श्री कर्मचंदजी बच्छावत के श्री चाँदमलजी मिश्रीलालजी के सुपुत्र अमरचंदजी लालचंदजी बच्छावत ने अपने स्वद्रव्य से प्रतिष्ठा करवाई, मन्दिर की देखभाल श्री नेमीचंदजी बच्छावत परिवार की ओर से हो रही है।

राणीसर तालाब के समीप है श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जी का मंदिर

फलोदी नगर मध्य राणीसर तालाब के समीपस्थ श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ का भव्य कलात्मक चमत्कारिक मन्दिर है, मन्दिर के बाहर पूर्व दिशा में श्री हनुमानजी की प्रतिमा है, मन्दिर में मूल प्रतिमा श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जी की व प्रतिमा के बाईं ओर श्री संभवनाथ जी व दायीं ओर श्री आदीश्वर भगवान की प्रतिमा प्रतिष्ठित

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जी का मंदिर

है। मुल प्रतिमा के नीचे श्री केसरीयानाथजी की चरण पादुका अवस्थित है। मूल गम्भारे में सात प्रतिमाएँ शोभायमान है। मूल गम्भारे के बाहर श्री पद्मावती देवी व श्री मणिभद्र देव प्रतिष्ठित हैं और श्री हीरविजयसूरीश्वरजी म.सा. की चरण पादुकाएँ भी हैं, समीपस्थ अधिष्ठायक देव भैरवजी विराजमान है, मूल गम्भारे के बाहर सभा मंडप में काँच का भव्य कलात्मक कृतियाँ मंदिर की शोभा बढ़ा रही हैं, मन्दिर की प्रतिष्ठा वि.सं. १९४० फागण वदी ५ को हुई थी, वर्तमान में मन्दिर की व्यवस्था श्री जैन तपागच्छीय संघ पेढ़ी की तरफ से हो रही है।

श्री राणीसर दादाबाड़ी

राणीसर तालाब के दक्षिण में राणीसर दादावाड़ी है, दादावाड़ी के मुल गम्भारे में दादा जिनदत्तसूरीश्वरजी की भव्य सुन्दर आकर्षक चमत्कारिक प्रतिमा प्रतिष्ठित है, जिसकी प्रतिष्ठा वि.सं. २०२७ माघ सुदी ७ सोमवार को हुई थी। प्रतिमा के नीचे श्री जिनदत्तसुरीजी की चरण पादुका विद्यमान है, जिसकी प्रतिष्ठा १९४७ आसाढ़ सुदी १० बुधवार को हुई थी। मुल प्रतिमा के पीछे **शेष पृष्ठ २३ पर...**

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम
'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

Deen Dayal Hastimal Chanda
Mob.: 9327389191

D1002, Water Hills Residency, Shyaam Mandir BRTS,
VIP Road , Althan, Surat, Gujarat, Bharat-395017

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ २२ से... बायीं तरफ में दादा श्री जिनदत्त सूरी की प्राचीन चरण पादुका है, जिसकी प्रतिष्ठा सं. १८९९ मिती वैशाख सुदी ११ गुरुवार को हुई थी। दाई तरफ में दादा श्री दत्तसूरीश्वरजी की अति पुरानी चरण पादुका है, जिसकी

श्री जैनाचार्य खरतरगच्छाधिपती श्री जिनदत्त सुरीश्वर देवालय

प्रतिष्ठा चतुर्थ दादा श्री जिनचन्द्रसूरीश्वरजी ने करवाई थी। दादावाड़ी के दोनों बाजु गौरा भैरू व काला भैरूजी की प्रतिमा है। काला भैरू के पास में घी की अखण्ड ज्योत जलती है जिसमें हर समय केसर बरसता है, मूल गम्भारे के दोनों बाजु में अधिष्ठायक देव बिराजमान है।

दादावाड़ी के पश्चिम में पीछे के भाग में बने एक कमरे में अष्ट धातु की बहुत ही प्राचीन आकर्षक पार्श्वनाथ प्रभु की तीन प्रतिमाएँ हैं। मूल गम्भारे के बाहर दादा जिनदत्तसूरीश्वरजी की प्रतिमा है। दादावाड़ी के पूर्व में भव्य रमणिक बगीचा है, जिसमें कलात्मक छतरी वि सं. १८९८ मिती मिगसर सुदी ५ की बनी हुई है।

श्री शिवसर दादावाड़ी

'फलोदी' शहर के पश्चिमान्तर्गत करीबन ३-४ कि.मी. दूर शिवसर तालाब के पीछे की ओर शिवसर दादावाड़ी स्थित है, यह अति ही मनमोहक, आकर्षक एवं चमत्कारिक स्थल है, यहाँ पर प्रथम व तृतीय दादा साहब श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी व श्री जिनकुशलसूरीश्वरजी की चरण पादुकाएँ विद्यमान हैं, दादावाड़ी के बाहर अति ही सुन्दर बगीचा बना हुआ है।

श्री शिवसर दादावाड़ी

दादावाड़ी के मूल गम्भारे में एक अखण्ड ज्योत जलती है, जिसमें पूर्व में केशर बरसता था। किवदंतीनुसार इस दादावाड़ी का एक चमत्कार आज भी बड़े बुजुर्गों के मुँह से सुनने को मिलता है। कई वर्षों पूर्व एक जैन श्राविका पूर्णिमा की रात को सुबह होने के भ्रम में अकेली ही गुरु दर्शन करने के लिए दादावाड़ी लगभग रात्रि १२.०० से १.०० बजे के आस-पास चली गई, दर्शन करने के पश्चात् स्वयं दादागुरु श्री कुशलसूरीश्वरजी ने उसको वापस घर तक पहुँचाया और कहा कि समय को देखकर आप घर से चला करें।

गोलछों के कुलदेवी का मंदिर

गोलछों की कुलदेवी का देवल (मन्दिर) रानीसर तालाब के पश्चिम में रेलवे लाइन के है। देवल के दाईं तरफ दादा श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी की प्रतिमा विराजित है जो वि.सं. १९७४ मिती आषाढ़ सुदी २ के दिन प्रतिष्ठित हुई। दादा साहब की प्रतिमा के बाजू में श्री दादा जिनकुशलसूरीश्वरजी के चरण पादुका प्रतिष्ठित है जो वि.सं. १९४६ के दिन प्रतिष्ठित की गयी थी। दादा साहब के चरण पादुका के पृष्ठ भाग में खरतरगच्छीय साध्वियों की चरण पादुकाएँ स्थित है जिनका नाम निम्नलिखित है -

- गुरूणी श्री पुण्यश्रीजी म.सा.
- गुरूणी श्री श्रृंगारश्रीजी म.सा.
- महासती शिरोमणि श्री चंदनबाला म.सा.
- प्रवर्तिनी श्री सुवर्णाश्रीजी म.सा.

गोलछों के कुलदेवी का मंदिर

मुख्य द्वार के ठीक सामने दादी माँ का देवल बना हुआ है, जिसमें श्वेत पाषाण की भव्य कलात्मक छतरी में दादी माँ की प्रतिमा प्रतिष्ठित है।

देवल के पृष्ठ भवन में खरतरगच्छीय साध्वियाँ पूज्यवर्या साध्वी श्री विमलश्रीजी म.सा., शिरोमणि श्री लक्ष्मीश्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री सिद्धश्रीजी म.सा. के चरण पादुका विक्रम संवत् १९९१ के दिन प्रतिष्ठित करवाये गये हैं।

श्री रत्नप्रभसूरि दादावाड़ी

श्री पार्श्वनाथ भगवान के छठे पट्टधर श्री ओसवाल वंश के संस्थापक श्री रत्नप्रभसूरि दादावाड़ी 'फलोदी' शहर के श्री ओसवाल न्याती नोहरा के समीप है। श्री गुलाबसुंदरजी यती द्वारा बनाई बगेची में उनके शिष्य **शेष पृष्ठ २४ पर...**

एक दिन विश्व के मानचित्र Globe में
INDIA की जगह BHARAT जरूर लिखा जाएगा।
जय भारत!

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
22
भारत के इतिहास में पहली बार
विभिन्न २२ भारतीय भाषाओं में
'भारत नाम सम्मान'
गीत का निर्माण

Tejkaran Khater
Mob.: 9962005558
C- 34, B B C Poornima Appts
962, Poonamalee Highroad- Chennai,
Tamilnadu, Bharat - 600 084

पृष्ठ २३ से... श्री पं. विनयसुंदरजी, पं. हस्तिसुंदरजी, पं. प्रेमसुंदरजी यती द्वारा वि.सं. १९७५, माघ शुक्ला १५ के दिवस समस्त ओसवाल श्री संघ को

दादावाड़ी बनाने हेतु समर्पित की, इस दादावाड़ी में श्री जिन रत्नप्रभसूरीश्वरजी महाराज की चरण पादुका छत्री में विराजमान है, प्रतिष्ठा वि.सं. १९७५ के ज्येष्ठ सुदी ४ के दिवस हुई।

लटियाल माता जी का मंदिर

पश्चिमी काशी और फलवृद्धिका नाम से विख्यात 'फलोदी' शहर अपनी स्थापना

से ही धार्मिक नगरी के रूप में पहचान कायम किए हुए है। करीब ५५० साल पहले ब्राम्हण सिद्धूजी कल्ला द्वारा बसाए गए 'फलोदी' शहर की स्थापना के साथ ही शहर में स्थापित लटियाल माता जी का मंदिर शहरवासियों के लिए आस्था केन्द्र बना हुआ है। लोगों का विश्वास है कि लटियाल माता फलोदी शहर व यहां के श्रद्धालुओं को अपनी असीम कृपा से प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखकर बचाव करती हैं तथा शहर को खुशहाली, शान्ति व प्रगति की राह पर आगे बढ़ा रही हैं।

बताया जाता है कि विक्रम संवत १५१५ में पाकिस्तान के सिंध स्थित आसाणी कोट के राजा का आतंक अधिक हो जाने से मां लटियाल ने सिद्धू कल्ला, जो की एक पुष्करणा ब्राम्हण था, उसे सपने में आकर बोलीं कि अब हमारा यहां रहना ठीक नहीं, क्योंकि इस राजा के पापों का घड़ा भर चूका है, जल्द ही इस राजा का विनाश हो जाएगा। माता ने सिद्धूजी कल्ला से कहा कि अब हम यहां से चल पड़ेंगे और वहीं रुकेंगे जहां हमारा रथ रुकेगा, इस तरह वर्तमान में जहां मंदिर स्थित खेजड़ी पेड़ के दो हिस्से हैं, वहीं आकर माता के रथ का पहिया टकराया और पेड़ के दो भाग हो गए जो आज भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा पूजा जाता है।

शुरुआती दौर में मंदिर लघु आकार में था, जैसे-जैसे शहर की आबादी और लटियाल माता के भक्तों की संख्या बढ़ने लगी, वैसे-वैसे मंदिर भव्यता धारण करता गया, वर्तमान में लटियाल माता जी का मंदिर विशाल एवं सभी सुविधाओं से परिपूर्ण है, साथ ही नवरात्र में भक्तों की सुरक्षा व मंदिर की सजावट के लिए विशेष इंतजाम भी किए जाते हैं। नवरात्र में मंदिर में श्रद्धालुओं की रेलमपेल लगी रहती है, साथ ही मंदिर में होमाष्टमी के दिन हवन के दर्शन करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगती है।

कोचर गोत्रीय कुलदेवी विशहठ माताजी मंदिर

कोचर गोत्र के लोगों की कुलदेवी 'फलोदी' में विशहत माताजी का मंदिर है,

मिली जानकारी के अनुसार इस मंदिर को कोचर गोत्रीय कुलदेवी विशहठ माताजी मंदिर को भक्तों ने सेवा भाव के साथ निर्माण किया है, मंदिर फलोदी रेलवे स्टेशन से लगभग कुछ ही दूरी पर स्थित है।

जाम्भोलाव धाम

जाम्भोलाव को जम्भसरोवर, विसन तीरथ, कलियुग का तीरथ, विसन तालाब, कपिल सरोवर एवं यति तीर्थ शिरोमणी जाम्भोलाव धाम भी कहा जाता है, पर

इसका लोक प्रचलित नाम जाम्भोलाव ही है। जाम्भोलाव **शेष पृष्ठ २५ पर...**

RC GROUP
Rajeev Choraria
REAL ESTATE BROKER
Mob: 9825171169
R.C. GROUP
Shop No. 2, Maleshwar Mohalla, Rustampura,
Opp. Popular Auto, Udhna Darwaja, Surat, Gujarat- 395002
E-mail: rajeevchoraria103@gmail.com
BUILDING DREAMS

श्री ओसवाल गौ सेवा सदन

फलोदी: श्री ओसवाल गौ सेवा सदन फलौदी में देसी गायों की सबसे बड़ी गौशालाओं में से एक है, बीमार, भूखी, बेसहारा और आवारा देसी गायों की

रक्षा, भोजन और आश्रय दिया जाता हैं, अधिकांश को तो उनके मालिकों द्वारा छोड़ दिया जाता है या कसाईयों से बचाया जाता है। सैकड़ों गौ सेवक पशु और पर्यावरण प्रेमी उनकी देखभाल के लिए चौबीसों घंटे काम करते हैं, वर्ष १९१६ में फलौदी में सिर्फ २० गायों के साथ गौशाला शुरुआत की गई थी,

वर्तमान में गौशाला में ६५० से अधिक गायों को आश्रय और भोजन दिया जा रहा है, इसमें अंधी गायें, विकलांग गायें, बैल, सांड आदि शामिल हैं। श्री फूलचंद गोलेछा जी ने अपनी जमीन पर पिंजरापोल की शुरुआत की और कुछ समय बाद उन्होंने इसे चलाने के लिए 'जैन संघ फलौदी' को सौंप दिया, यह संगठन भारत सरकार के नीति आयोग से पंजीकृत है, संगठन उन निजी और सरकारी कंपनियों के लिए भी पात्र है जो सीएसआर के तहत दान करना चाहती है, संगठन राजस्थान के पशुपालन विभाग के गोशाला अधिनियम १९६० के तहत पंजीकृत है। राजस्थान सहकारिता विभाग अधिनियम १९५८ के अंतर्गत, संगठन के पास पैन कार्ड है, संगठन के तीन बैंकों में खाते हैं, संगठन को दी गई राशि ८०जी के तहत छूट के अंतर्गत आती है, भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से भी वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जैन मंदिरों, जैन ट्रस्टों, जैन परिवारों से दान प्राप्त किया जाता है।

पृष्ठ २४ से... धाम यह बिश्नोई समाज के प्रमुख तीर्थस्थलों अर्थात अष्ट धामों में से एक है।

गुरु श्री जम्भेश्वर भगवान मंदिर एवं जम्भ सरोवर तालाब

'फलौदी' से लगभग २० कि.मी. पूर्वोत्तर में स्थित है, यहाँ एक बड़ा तालाब है, जिसे गुरु जाम्भोजी ने खुदवाया था, जाम्भोळाव पर बने मन्दिर में सफेद मकराने के पत्थर का एक पूर्वाभिमुख सिंहासन है, कहते हैं कि इसी पर बैठकर गुरु जाम्भोजी तालाब की खुदाई का काम देखते थे, यहां से थोड़ी दूरी पर 'जाम्भा' नामक गांव है, यहां साधुओं की दो परम्पराएं हैं- एक आगूणी जागां और दूसरी आयूणी जागां। तालाब के पास पशुओं की कर माफी का एक शिलालेख लगा हुआ है, कहा जाता है कि इसी स्थान पर पूर्व में कपिल मुनि ने तपस्या की थी और पाण्डवों ने भी यज्ञ किया था, कलियुग में इसे गुरु जाम्भोजी ने बनाया था।

भगवान परशुराम मन्दिर

अद्वितीय दर्शनार्थ भगवान परशुराम मन्दिर

फलोदी: परमाणु परीक्षण के लिए विश्व विख्यात पोकरण से ६० किमी. तथा जोधपुर से १३८ किमी. दूर संकटमोचन हनुमान मन्दिर परिसर, शिवसर तालाब, फलोदी में भगवान परशुराम स्मारक सेवा संस्थान द्वारा राज राजेश्वर भगवान परशुराम के मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम वैशाख शुक्ल दूज, १५ मई २०१० को भव्यता के साथ सम्पन्न किया गया।

७ फीट भगवान परशुराम की प्रतिमा दर्शनार्थ एवं डेढ़ फीट की प्रतिमा नित्य पूजन के लिए स्थापित की गई है।

सम्पूर्ण भारत में भगवान परशुराम की यह एकमात्र प्रतिमा है जो शास्त्र (चार वेद) व शस्त्र (धनुषबाण व फरसा) के समन्वय के साथ निर्मित की गई है। तहसील स्तरीय ब्राह्मणों के साथ सर्वसमाज के आस्था-केन्द्र भगवान परशुराम का अवतरण दिवस अक्षय तृतीया, हनुमान प्राकट्य दिवस व अन्य उत्सव सभी मिलकर बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं।

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें:
कृष्णकुमार थानवी मो.: ९४१३५०९३७२,
कँवरलाल पुरोहित मो.: ९८२९०४४०८६

with best compliments from
Jitendra M. Surana
Mob: 94428 44859
Shop No.6, Tulsi Market, 629, Oppanakara Street, Coimbatore - 641001
Ph: 0422 (0) 2390724 (R) 4218451

with best compliments from
Purushottam Kalantri
Mob.: 9322206108
801, Ruby Crescent, Ashok Nagar, Kandivali East, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400101
Email: Info@ThinkSynergy.in | Purushottam. Kalantri@Gmail.com

फलोदी की हवेलियां

गुलेच्छा हवेली

अमर भवन फलोदी

शीतलनाथजी मन्दिर

कानुगा हवेली

कानुगों का बास स्थित हवेली

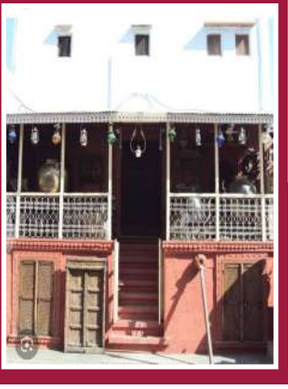

ढड्ढा हवेली (लाल निवास)

कोचरों की हवेली

श्री माहेश्वरी क्लब के चुनाव सम्पन्न

चेन्नई: श्री माहेश्वरी क्लब चेन्नई की ४८वीं वार्षिक आम सभा डी.जी. वैष्णव कॉलेज, चेन्नई के भव्य सभागार में आयोजित की गई, इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष पद हेतु सुनील सारडा तथा सचिव पद हेतु मुरली मनोहर लखोटिया को सर्वसम्मति से निर्विरोध रूप से चुना गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन मोहन दमानी एवं संजय मूंदड़ा ने चुनाव अधिकारियों के रूप में किया, उन्होंने वर्ष २०२५-२६ के लिए नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें उपाध्यक्ष देवकिशन काबरा, श्रीमती प्रेमलता टावरी, संयुक्त सचिव संदीप काबरा, कोषाध्यक्ष संजय सारडा, कार्यकारिणी सदस्य सुरेश कोठारी, इंदर राठी, संदीप चांडक, राजीव पचीसिया, राकेश काबरा, महेश अजमेरा, गौरव जेठा, श्रीमती संजना साबू एवं श्रीमती पायल मूंदड़ा निर्वाचित हुए। शुभारंभ दीप प्रज्वलन और महेश वंदना के साथ हुआ, इसके उपरांत निवर्तमान अध्यक्ष रविंद्र डागा, सचिव मुकुल डागा तथा कोषाध्यक्ष संदीप काबरा ने गत वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट एवं वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, वर्ष भर में क्लब द्वारा किए गए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की भी जानकारी दी। नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुनील सारडा को अशोक जे. मूंधड़ा (अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी सभा) ने पारंपरिक साफा पहनाकर, तिलक कर एवं शपथ दिलाकर सम्मानित किया, तत्पश्चात अध्यक्ष श्री सारडा ने अपनी पूरी कार्यकारिणी का स्वागत एवं अभिनंदन किया, अध्यक्षीय भाषण में सुनील सारडा ने कहा कि श्री माहेश्वरी क्लब समाज में जनहितकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देगा, हम सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास करेंगे, इस अवसर पर वर्ष २०२५-२६ के लिए क्लब की टैगलाइन 'लहरा देंगे भारत का परचम, जब साथ होंगे आप और हम' का भी औपचारिक विमोचन किया गया। समारोह का प्रभावशाली मंच संचालन श्रीमती मीनू काबरा द्वारा किया गया। समापन अवसर पर नव-निर्वाचित सचिव मुरली मनोहर लखोटिया ने सभी सदस्यों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सामूहिक भोज हेतु आमंत्रण दिया, इस गरिमामय अवसर पर डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा (अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी सभा), प्रमोद मालपानी (अध्यक्ष, तमिलनाडु, केरल एवं पांडिचेरी), अशोक लखोटिया (प्रबंध न्यासी, मद्रास चेरिटेबल ट्रस्ट), श्री संजय मूंदड़ा (सचिव, सभा), कमल गोयदानी (उपाध्यक्ष), श्रीमती ममता बागड़ी (अध्यक्ष, माहेश्वरी महिला मंडल), श्रीमती सुनीता डागा, श्रीमती शिवानी मूंधड़ा, राधेश्याम मूंधड़ा, ओमप्रकाश बागड़ी, महावीर मर्दा, मोहन दमानी, सत्यनारायण भूतड़ा, शिव प्रकाश बाहेती, ग्वालदास करनानी, जेठमल चांडक, ओम प्रकाश बिसानी, कमल भैया, सुरेश भट्टड़, राजन सारडा, रामचंद्र सारडा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया।

अध्यक्ष सचिव

'शिवोहम' की धूम चैन्नई में

महेश नवमी के पावन अवसर पर विशेष

चैन्नई: महेश नवमी के पावन पर्व पर श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई, मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट तथा माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अपोलो हॉस्पिटल्स के सहयोग से १२ दिवसीय मास्टर हेल्थ चेकअप कैम्प सादगीपूर्ण एवं गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ।

मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया ने अपोलो हॉ स्पिटल कैम्प के प्रमुख श्री दिग्विजय जी को पुष्प गुच्छ देकर कैम्प का उद्घाटन करते हुए कहा, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को समय-समय पर हेल्थ चेकअप अवश्य करवाना चाहिए, यह कैम्प इसी उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे समाज के अधिकतम लोगों को समय रहते स्वास्थ्य संबंधी जानकारी मिल सके।

कार्यक्रम के संयोजक अनुराग माहेश्वरी ने 'मेरा राजस्थान' को जानकारी दी कि इस विशेष शिविर में लगभग ३०० से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की व्यापक जांच की गई, जिसमें ब्लड टेस्ट, ईसीजी, बीएमआई, डायबिटीज, बीपी, हृदय, लिवर, किडनी आदि की जांचें शामिल रही।

इस १२ दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन अपोलो हॉस्पिटल ग्रीम्स रोड में किया गया जो प्रातः ८ बजे से दोपहर १ बजे तक चला।

श्री माहेश्वरी सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने कहा, स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव है, यह कैम्प समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सभी समाजबंधु इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ लें।

अपोलो हॉस्पिटल द्वारा जांच सेवाएं, विशेषज्ञ परामर्श और संपूर्ण स्वास्थ्य जांच

१२ दिवसीय मास्टर हेल्थ चेकअप कैम्प का शुभारंभ

जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को ध्यान में रखते हुए यह शिविर समाज के लिए एक अत्यंत सराहनीय और उपयोगी पहल है।

तमिलनाडु-केरल-पॉन्डिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी, माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, श्री माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष श्री बंसीधर सारडा, श्री कमल किशोर गोईदानी, सभा के सह-सचिव श्री सुरेश भट्टड़, श्री माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव श्रीमती कुसुम मालपानी, श्री माहेश्वरी युवा मंडल अध्यक्ष श्री मदन राठी, श्रीमती मंजुश्री मालपानी, श्री हेमंत भट्टड़, श्री विनोद द्वारकानी, श्री हरि राठी, श्री हरि मूंधड़ा श्रीमति सुनीता सुरजन, श्री निकुंज मोहता, श्री राम रतन राठी सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा महेश नवमी का भव्य आयोजन संपन्न

चेन्नई: श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई के तत्वावधान में सोमवार, दिनांक ४ जून २०२५ को महेश नवमी, माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस, को श्री माहेश्वरी भवन, चेन्नई में बड़े ही श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव से मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिपूर्वक भगवान महेश (भगवान शिव) की पूजा-अर्चना

हम हैं माहेश्वरी

एवं मंत्रोच्चारण सहित रुद्राभिषेक से हुआ। पंडित श्री कमल व्यास के नेतृत्व में हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में समाजजनों ने भाग लिया तथा भगवान महेश की कृपा प्राप्त की।

इस पुण्य अवसर पर श्री माहेश्वरी सत्संग समिति द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्री कमल गोयदानी ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया तथा महेश नवमी के धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। सचिव श्री संजय मूंदड़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि रुद्राभिषेक उपरांत श्रृंगार, महाआरती एवं भजन संध्या का आयोजन सायं ४ बजे से किया गया।

भजन संध्या में भक्ति की ऐसी अविरल धारा प्रवाहित हुई कि उपस्थित सभी श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमने लगे। भजनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम की पूर्णाहुति महाआरती के साथ हुई, जिसके पश्चात भव्य महाप्रसादी का आयोजन किया गया। इस प्रसादी में लगभग २५० से अधिक समाज बंधुओं ने सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

भोजन एवं प्रसादी की संपूर्ण व्यवस्था श्री कमल किशोर गोयदानी एवं उनकी टीम द्वारा उत्कृष्ट रूप से की गई, जिसके लिए सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर सभा के सचिव श्री संजय मूंदड़ा ने समस्त उपस्थित गणमान्य अतिथियों, श्रद्धालुओं, आयोजकों और स्वयंसेवकों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी को महेश नवमी की मंगलकामनाएं दीं।

इस आयोजन ने समाज में एकता, श्रद्धा और सेवाभाव को पुनः पुष्ट किया, जो श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई की प्रतिबद्धता और प्रयासों का प्रमाण है।

कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति दर्ज हुई। इनमें **शेष पृष्ठ २८ पर...**

पृष्ठ २७ से... विशेष रूप से उल्लेखनीय नाम इस प्रकार हैं:

तमिलनाडु, केरल एवं पांडिचेरी की प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री प्रमोद मालपानी मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री अशोक लखोटिया सभा के उपाध्यक्ष बंसीधर सारडा, कमल गोयदानी सहसचिव श्री सुरेश भट्टड़ श्री माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती ममता बागड़ी एवं सचिव श्रीमती कुसुम मालपानी श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के अध्यक्ष श्री बंसीलाल दलाल, सचिव श्री किशोरी लाल जेठा,श्री माहेश्वरी क्लब के सचिव मुरली लखोटिया, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष श्री किशन झंवर, श्री महावीर प्रसाद मर्दा, श्री वल्लभ दास कंधारी, श्री गौरीशंकर राठी, श्री जेठमल सारडा, श्री हरि मूंधड़ा, श्री विनोद द्वारकानी, श्री जयप्रकाश मालपानी, श्री प्रदीप माहेश्वरी की गरिमामयी उपस्थिति रही!

माहेश्वरी समाज ने महेश नवमी पर्व को बनाया सेवा पर्व- अपोलो हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर सम्पन्न

श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई, व मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मिस्टर-मिसेज क्लब के सहयोग से और अपोलो हॉस्पिटल के सौजन्य से दिनांक ८ जून २०२५ को 'शिवोहम-महेश नवमी' पर्व के अंतर्गत रक्तदान का विशाल शिविर का आयोजन अपोलो हॉस्पिटल, चेन्नई में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

भव्य आयोजन का उद्घाटन अपोलो हॉस्पिटल के प्रमुख श्री पी एम प्रेमजन ,द्वारा किया गया, जिन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर ७५ से अधिक समाजबंधुओं ने रक्तदान कर इस पुण्य कार्य में भागीदारी निभाई।

श्री माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मुंधड़ा ने कहा कि समाज की इस उत्साही भागीदारी से यह स्पष्ट होता है कि माहेश्वरी समाज न केवल संस्कृति और परंपरा में अग्रणी है, बल्कि सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने में भी सदैव तत्पर रहता है। अपोलो हॉस्पिटल द्वारा उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य जांच सुविधा समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास रही।

रक्तदान शिविर के संयोजक हरीश सारडा ने 'मेरा राजस्थान' को बताया कि समाज को रक्तदान जैसे महान कार्य के लिए प्रेरित करने हेतु इस शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के ७५ से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर दूसरों के लिए जीवनदान का कार्य किया है, जो सभी के लिए एक प्रेरणा है। इस आयोजन में मिस्टर-मिसेज क्लब, श्री स्वरूप दलाल, श्री राजकुमार चांडक, श्री योगेश मोहता का विशेष योगदान रहा। सभा के सचिव श्री संजय मूंदड़ा ने सभी रक्तदाताओं और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

यह आयोजन समाज में सेवा, स्वास्थ्य और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता का उदाहरण बना और 'शिवोहम-महेश नवमी' पर्व को एक सच्चे सेवा पर्व के रूप में प्रतिष्ठित किया।

माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष डॉ अशोक जे मूँधडा, उपाध्यक्ष कमल किशोर गोईदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, सह-सचिव सुरेश भट्टड़, मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया, श्री माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव श्रीमती कुसुम मालपानी,माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, श्री माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मदन राठी, श्री माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष किशन झंवर, श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के सचिव किशोरी जेठा, मिस्टर मिसेज के अध्यक्ष संजय बिसानी, गौरी शंकर राठी, प्रफुल मोहता, पंकज मोहता, हेमंत भट्टड़, निखिल मोहता, जेठमल सारडा, श्रीमती बीबीसी मंजुश्री मालपानी, श्रीमती रति चांडक सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

दिनांकः १६ जून २०२५

'शिवोहम महेश नवमी महोत्सव का भव्य समारोह - संस्कृति, सेवा और संस्कारों का अनुपम संगम कार्यक्रम में उमड़ा जन सैलाब!

चेन्नईः श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा आयोजित १२ दिवसीय 'शिवोहम महेश नवमी महोत्सव का समारोह आज अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और सामाजिक उत्साह के साथ डी.जी. वैष्णव कॉलेज परिसर में सम्पन्न हुआ। यह समारोह न केवल माहेश्वरी समाज की एकता, आस्था और संस्कृति का उत्सव बना, बल्कि समाजसेवा और राष्ट्रनिर्माण की चेतना को भी जागृत करने वाला अवसर सिद्ध हुआ।

समारोह का शुभारंभ भगवान शिव परिवार की भव्य शोभायात्रा से हुआ, जिसमें पारंपरिक झांकियाँ, महिला श्रद्धालुओं की कलश यात्रा, युवा कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य, भजन मंडलियों का संगीतमय वातावरण और विविध सांस्कृतिक प्रतीकों ने समस्त परिसर को भक्तिमय बना दिया। इस शोभायात्रा के माध्यम से समाज की गौरवशाली परंपराओं और सामूहिक सहभागिता का जीवंत

प्रदर्शन देखने को मिला। इस शोभायात्रा में श्री माहेश्वरी सत्संग समिति एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल का सक्रिय सहयोग रहा।

सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव, महेश नवमी जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक पर्व को आधुनिक सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास था, उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने, सेवा के कार्यों को गति देने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्रीमती भगवती महेश बल्दवा ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि माहेश्वरी समाज **शेष पृष्ठ २९ पर...**

पृष्ठ २८ से... की यह पहल आज की पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत है कि किस प्रकार संस्कृति और सेवा को एक मंच पर लाया जा सकता है। उन्होंने 'शिवोहम' को सामाजिक जागरण का एक पर्व बताया, जो व्यक्ति को अपनी आंतरिक दिव्यता पहचानने और समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का स्मरण कराने का सशक्त माध्यम है।

समारोह के दौरान बहुप्रतीक्षित 'मेंबरशिप एवं बिज़नेस डायरेक्टरी' का लोकार्पण भी किया गया। डायरेक्टरी के चेयरमैन महावीर मर्दा ने बताया कि यह डायरेक्टरी समाज के व्यावसायिक और सामाजिक नेटवर्क को और अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल है, यह विशेष रूप से उभरते उद्यमियों और व्यावसायिक सहयोग के इच्छुक सदस्यों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

इसके साथ ही श्री माहेश्वरी सभा चेन्नई की वेबसाइट का भी औपचारिक लॉन्च किया गया? इस अवसर पर वेबसाइट के चेयरमैन अनुराग माहेश्वरी ने इसकी विस्तृत जानकारी सदन को दी।

सांस्कृतिक मंच पर श्री माहेश्वरी युवा मंडल के सहयोग से ७० से अधिक कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं, इनमें कैलाश मानसरोवर पर आधारित लोकनृत्य, शास्त्रीय नृत्य, नाट्य अभिनय, शिव तांडव जैसी विविध विधाओं की झलक देखने को मिली, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम संयोजक कमल गोयदानी ने समापन समारोह की सफलता का श्रेय सभी कार्यकर्ताओं, संयोजकों, समाजबंधुओं और सहभागी परिवारों को दिया, जिनके समर्पण और परिश्रम से यह महोत्सव ऐतिहासिक रूप से सफल हो सका। उन्होंने बताया कि 'शिवोहम' महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही।

श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई ने इस अवसर पर समाज के सभी परिवारों को उनके सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि यह 'शिवोहम' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है, जो आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक स्वरूप लेगा। खानपान की पूरी व्यवस्था श्री कमल गोयदानी व उनकी पूरी टिम ने बहुत सुंदर तरीके से किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री हरि रतन राठी एवं श्रीमती संतोष बिसानी द्वारा किया गया।

दिनांक: १७ जून २०२५

महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत महेश छात्रवृत्ति का भव्य शुभारंभ- शिक्षा दान महादान

चेन्नई: श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई, मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट तथा श्री माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महेश नवमी महोत्सव' के पावन अवसर पर कोला पेरुमल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में महेश छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में किया गया।

इस आयोजन में तमिलनाडु-केरल-पुडुचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री प्रमोद मालपानी, श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा, उपाध्यक्ष श्री कमल किशोर गोयदानी, कोषाध्यक्ष श्री अनुराग माहेश्वरी, सचिव श्री संजय मूंधड़ा, सह-सचिव श्री सुरेश भट्टड़, मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री अशोक लखोटिया तथा श्री माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन श्री जयप्रकाश मालपानी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत महेश वंदना से हुई, जिससे वातावरण भक्ति और संस्कारों से ओतप्रोत हो गया। सभा अध्यक्ष डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि शिक्षा का दान सबसे बड़ा दान है। ऐसे पावन पर्व पर यदि किसी विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाए, तो यह समाज सेवा का श्रेष्ठतम कार्य होता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्रीमती भगवती महेश बल्दवा ने कहा कि माहेश्वरी समाज द्वारा इतनी बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियां प्रदान करना अत्यंत प्रेरणादायक है। यह आज की पीढ़ी के लिए दिशा देने वाला कदम है।

कार्यक्रम के चेयरमैन श्री कमल किशोर गोयदानी ने बताया कि इस वर्ष चेन्नई के १४ विद्यालयों से चयनित १६० मेधावी विद्यार्थियों को महेश छात्रवृत्ति, नोटबुक्स और स्टेशनरी किट प्रदान की गई। यह समाज की शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और प्रगतिशील सोच का परिचायक है।

श्री माहेश्वरी फूड बैंक चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन श्री जयप्रकाश मालपानी ने बताया कि फूड बैंक के माध्यम से समाज सेवा के साथ-साथ अब शिक्षा के क्षेत्र में भी संगठित रूप से काम किया जा रहा है।

मद्रास माहेश्वरी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी श्री अशोक लखोटिया ने कहा कि शिक्षा से सशक्त समाज का निर्माण संभव है और इस तरह के प्रयास समाज को दिशा देते हैं।

इस अवसर पर छात्रवृत्ति के प्रमुख प्रायोजकों श्रीमती आरती जयप्रकाश मालपानी, श्रीमती श्रेया विनीत मूंधड़ा, श्रीमती सरोज गौरीशंकर राठी, श्रीमती ज्योति अशोक लखोटिया, श्रीमती शकुंतला गौरीशंकर राठी, श्री महेंद्र मोहता को शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

सभा सचिव श्री संजय मूंधड़ा ने समापन भाषण में सभी अतिथियों, समाजबंधुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महेश नवमी महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के विकास हेतु लिया गया एक सामूहिक संकल्प है, जिसे हर वर्ष और अधिक व्यापकता मिलेगी।

- संजय मूंदड़ा
मंत्री श्री माहेश्वरी सभा, चैन्नई
मो: ९४४४०१५९२२

'एक रोटी गौ माता के नाम' मुहिम के चार वर्ष पूर्ण होने पर मनाया उत्सव

फलोदी: माहेश्वरी सेवा समिति फलोदी द्वारा १ जून २०२१ को प्रारंभ की गई 'एक रोटी गौ माता के नाम' मुहिम के चार वर्ष पूर्ण होने पर उत्सवपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष अनिल बूब ने 'मेरा राजस्थान' को बताया कि इस सेवा अभियान के तहत प्रतिवर्ष १५०० रुपए सहयोग राशि लेकर प्रतिदिन निराश्रित गायों एवं कुत्तों को २१ किलो बाजरी आटे की रोटियां खिलाई जाती हैं। यह कार्य देश ही नहीं, विदेशों से भी मिलने वाले सहयोग से सतत जारी है।

जयकिशन बिड़ला व किशन भट्टड़ ने बताया कि समिति द्वारा कबूतरों व चिड़ियों के लिए ज्वार-बाजरी, पानी के परिंडे लगाए गए हैं, जिनकी नियमित सफाई व जल भराव का कार्य सदस्य करते हैं। समिति द्वारा नागरिकों को झूठा भोजन न छोड़ने, डिस्पोजल का उपयोग न करने व कपड़े की थैली अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। देवेंद्र बूब व अमित लोहिया ने बताया कि समिति द्वारा मंदिर-बगीचों में ज्वार डाली जाती है, गरीब बच्चों की पढ़ाई व भोजन की व्यवस्था की जाती है, साथ ही अस्पताल में पलंग, वॉकर व ऑक्सीजन मशीन जैसी सेवाएं भी दी जा रही हैं। समिति में जयप्रकाश बूब, राजेश चांडक, पंकज फोफलिया, भारती शर्मा सहित अन्य सदस्य नियमित सेवा दे रहे हैं।

माहेश्वरी भवन ट्रस्ट द्वारा चलाई जा रही ग्रीष्मकालीन सेवा

बीकानेर: सूरज की ताप से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य के साथ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट बीकानेर के द्वारा ठंडी छाछ, लस्सी और शरबत वितरण के शिविर आयोजित किए गए। ट्रस्ट मंत्री नरेन्द्र बागड़ी के अनुसार सेवा कार्य मुख्य रूप से चुन्नी लाल मोहता, प्रेम रतन बाहेती, मदन मोहन मोभड़ा के सहयोग से बीकानेर के विभिन्न अंचलों में लगातार चला। श्री बागड़ी ने कहा कि गौ शालाओं में शेड-पानी की कुंडी-चारा ठाण आदि निर्माण कार्य कैबकॉन इंडिया लिमिटेड, पीआरबी सेक्युरिटी प्राइवेट लिमिटेड, क्लासिक इंडिया के सहयोग से सम्पन्न हुआ। समाज के विभिन्न गौ भक्त जल सेवा, हरा चारा सेवा, साग सब्जी सेवा के लिए रोजाना अपना योगदान दिया। सेवा कार्य के विभिन्न क्षेत्रों में श्रीकिशन राठी, श्रीराम सिंघी, माणिक डागा, कुम्भनदास मूंधड़ा, मदनमोहन मोभड़ा, मनोहर बागड़ी, संजय डागा, अनील डागा, मनोज भैया, रामकिशन राठी का प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सराहनीय सहयोग मिलता है।

जोधपुर में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन शिविर का आयोजन

जोधपुर: माहेश्वरी सभा जोधपुर जिला के आयोजकत्व व जोधपुर महानगर माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में माहेश्वरी जनोपयोगी भवन, जोधपुर में ९ वर्ष से २६ वर्ष की बालिकाओं के लिए कैंसर से बचाव की सर्वाइकल वैक्सीनेशन के विशेष कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी २२० बालिकाओं को वैक्सीन पूर्णतया निःशुल्क लगाई गई, इस शिविर का उद्घाटन भगवान श्री महेश के दीप प्रज्ज्वलन और सामुहिक महेश वंदना के साथ महासभा के सभापति संदीप काबरा ने किया।

उल्लेखनीय है कि भीलवाड़ा के बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर ट्रस्ट और जोधपुर के श्री विष्णु सेवा ट्रस्ट के श्री विष्णु प्रकाश पूंगलिया द्वारा इस

कैंप के टीकाकरण का संपूर्ण वित्तपोषण किया गया, कार्यक्रम में महासभा की कार्यसमिति के माननीय सदस्य द्वय भामाशाह गोपी किशन मालानी और ओमप्रकाश सोनी, प्रादेशिक सभा के कार्यकारी अध्यक्ष घनश्याम चांडक, जिला सभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मूंदड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुरलीधर सोनी, माहेश्वरी समाज के जिला मंत्री लाल चन्द चांडक, कोषाध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी, श्री माहेश्वरी समाज जोधपुर महानगर अध्यक्ष एन.के. शाह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। वैक्सीन के पश्चात सभी को आवश्यक दवाइयां और ओआरएस के पैकेट भी दिए गए, सभी आगंतुकों का आभार ज्ञापन भी मंत्री लाल चन्द चांडक द्वारा किया गया।

माहेश्वरी समाज द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

माहेश्वरी मण्डल भायन्दर द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य पर शोभायात्रा का आयोजन

माहेश्वरी मण्डल भायन्दर व भायंदर जिला माहेश्वरी सभा के संयुक्त प्रयास से 'महेश नवमी' के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। महेशनवमी के उपलक्ष्य पर बुधवार दिनांक ४ जून २०२५ को भव्य शोभायात्रा निकाली गयी, यह शोभायात्रा बालाजी नगर भायन्दर पश्चिम से सुबह १०.०० बजे प्रारंभ हुई जो दोपहर १२.०० बजे राधेश्याम डोम भायन्दर पश्चिम कथा स्थल पर समापन हुई। छत्रपति शिवाजी महाराज व महाराणा प्रताप की प्रतिकृति में २ युवक घोड़े पर सवार होकर यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। बैंड बाजा की धुन के साथ सैकड़ों की तादाद में बाईक सवार, उसके पीछे श्री शिव दरबार में समाज के बाल कलाकार शिवजी, पार्वतीजी, कार्तिकेयजी, गणेशजी की झाँकी का रथ, फिर डीजे जो सनातन हिंदू धर्म की रक्षा का हुआ उद्घोष करते हुए, उसके बाद श्री राम दरबार में समाज के बाल कलाकार रामजी, सीताजी, लक्ष्मणजी, हनुमानजी की झाँकी का रथ, उसके पश्चात युवा सन्त श्रद्धेय अनंतश्री १००८ डॉ. गुणप्रकाश चैतन्यजी महाराज का रथ चल रहा था। अत्यधिक बारिश होने की वजह से भी समाज बंधुओं का उत्साह कम नहीं था, भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी। कार्यक्रम के पश्चात सभी समाज बंधुओ के लिये महाप्रसाद रखा गया था, शोभायात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष तौर से मण्डल अध्यक्ष नटवर डागा, सचिव नारायण तोषनीवाल भायन्दर जिला के अध्यक्ष महेश भूतड़ा, सचिव पवन सारडा, महिला समिति के सदस्यों का प्रमुख सहयोग रहा।

माहेश्वरी मण्डल भायन्दर द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य पर भक्तमाल कथा का आयोजन

महेश नवमी के उपलक्ष्य पर भक्तमाल कथा का विशेष ५ दिवसीय आयोजन रखा गया था। यह कथा दिनांक ४ जून से ८ जून २०२५ तक राधेश्याम डोम, अमृतवाणी रोड, भायन्दर पश्चिम में आयोजित की गई थी। व्यासपीठ पर आसीन युवा सन्त श्रद्धेय अनंतश्री १००८ डॉ. गुणप्रकाश चैतन्यजी महाराज अपनी रसमयी वाणी से ५ दिवसीय आयोजित भक्तमाल कथा का रसपान भक्तों को करवाया गया। महाराज जी ने अपने प्रवचन में बताया माहेश्वरी मण्डल भायन्दर द्वारा समायोजित पंचदिवसीय कथा के अलावा अनेक विद कार्यक्रमों की संयोजना को लेता हुआ यह विलक्षण कार्यक्रम जिसमें वेद, पुराण उपनिषद, धर्म शास्त्र का परिपक्व फल श्री नाभादासजी महाराज विरचित श्री भक्तमाल की दिव्य कथा में उपस्थित होने का सौभाग्य आप सबके प्रेम वशीभूत होकर प्राप्त हुआ है, निश्चित रूप से सौभाग्य रहा हमारे इस पुण्यनगरी का, इस पुण्य स्थली का और पवित्र कार्यक्रम करने वालों का विलक्षण, आज पूरी दुनिया में माहेश्वरी समाज उन्हीं के यह पावन दिवस भगवान शंकर के यशोगान उनके पावन श्री चरणों में प्रणाम करने का ही नहीं, अपितु हमारी वंश परम्परा को बढ़ाने का सौभाग्य आज ही के दिन भगवान शंकर से इस समाज को प्राप्त हुआ है, उसी का परिणाम है की आज पुरे देश के अंदर छोटा, बड़ा, लघु जिसकी जैसी सामर्थ्य है, अपनी सामर्थ्य से अधिक भगवान शंकर की उपासना कर अपने देव ऋण से, अपने ऋषि ऋण से, अपने पित्री ऋण से, अपने समाज ऋण से, उऋण होने का यह पावन दिवस हमारे जीवन में प्रदान करता है, इस कथा के मुख्य यजमान नंदलालजी मदनलालजी भूतड़ा थे, कथा के

दैनिक यजमान के रूप में श्री हरिप्रसादजी विष्णुगोपालजी असावा, श्री विठ्ठलजी नावंधर, श्री नन्दकिशोरजी सुशिलादेवीजी मूंदड़ा, श्री गोपालजी अंकितजी राठी श्री मांगीलालजी मूंदड़ा, श्री नटवरलालजी उमेशकुमारजी डागा, श्री हरिकिशनजी सुरेशजी दरक, श्रीमती मैनादेवीजी बालकिशनजी तोषनीवाल, श्री सुरेशजी रविजी बंग, प्रचार प्रसार यजमान श्री शिवकुमारजी सन्दीपजी बागड़ी, जल सेवा यजमान श्री किशनगोपालजी शोभाजी सारडा थे, इस कथा आयोजन को सफल बनाने में मण्डल अध्यक्ष नटवरजी डागा, सचिव नारायणजी तोषनीवाल व कोषाध्यक्ष सुरेशजी दरक का विशेष योगदान रहा।

महेशनवमी के उपलक्ष्य पर तुलसी अर्चना का कार्यक्रम

माहेश्वरी मण्डल भायन्दर के अध्यक्ष नटवरजी डागा ने 'मेरा राजस्थान' को बताया की महेश नवमी के उपलक्ष्य पर निर्जला एकादशी पावन दिवस पर मण्डल द्वारा तुलसी अर्चना का कार्यक्रम सुबह १० बजे से राधेश्याम डोम, भायन्दर (पश्चिम) में आयोजित किया गया, युवासन्त श्रद्धेय अनंतश्री १००८ डॉ. गुणप्रकाश चैतन्यजी महाराज के साथीगणों द्वारा वैदिक मंत्रोचार के माध्यम से १००८ नामों को स्मरण करते हुए तुलसी अर्चना का अद्भुत आयोजन रखा गया, जिसमें १२५ समाज बंधुओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया, कार्यक्रम के पश्चात सभी को तुलसी के पौधे का वितरण किया गया, कार्यक्रम को सफल बनाने में मंजूजी मालपानी, सुधाजी काकानी, पुरषोत्तमजी दरक सहित समाज परिवार के कार्यकर्त्ताओं का सहयोग रहा। मण्डल सचिव नारायणजी तोषनीवाल ने 'मेरा राजस्थान' को बताया की युवासन्त श्रद्धेय अनंतश्री १००८ डॉ. गुणप्रकाश चैतन्यजी महाराज ने एकादशी के दिन दोपहर में श्री भक्तमाल कथा में प्रवचन देते हुए कहा की ठाकुरजी का ही अनुग्रह है की हम उसमें उपविष्ट होकर ठाकुरजी की सेवा करने का जो हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है, निश्चित रूप से उनके जन्म-जन्मांतर व कल्प-कल्पांतर, युग-युगांतर की साधना का ही परिणाम है।

माहेश्वरी मण्डल भायन्दर द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य पर १० दिवसीय शाश्वत चिकित्सा शिविर का आयोजन

चिकित्सा पद्धतियों की प्राचीनता पर विचार करने से यह स्पष्ट होता है कि औषधियों के गुणधर्म और कल्पना का ज्ञान होने से पूर्व **शेष पृष्ठ ३२ पर...**

राधेश्याम परवाल ने जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाया

जयपुरः अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम परवाल ने अपना ८३वाँ जन्मदिन ३० मई, २०२५ को श्री कृष्णधाम वृद्धाश्रम, जयपुर में वृद्धाश्रम वासियों के साथ मनाया, इस अवसर पर परिवारजन भी उपस्थित रहे।

श्री परवाल ने अपने जन्मदिन पर अ.भा. माहेश्वरी महासभा के ए.बी.एम.एम. माहेश्वरी रिलीफ फाउण्डेशन को रू. १,११,१८३/- की राशि अनुदान स्वरूप भिजवाई तथा श्री माहेश्वरी समाज जयपुर को भी एक स्थायी कोष निर्माण हेतु रू. १,११,१८३/- का चैक प्रदान किया, कुछ अन्य संस्थाओं को भी अनुदान स्वरूप राशि भिजवाई।

माहेश्वरी युवा परिषद द्वारा अन्नदान

कोयंबटूरः २७ अप्रैल २०२५ अमावस्या के अवसर पर माहेश्वरी युवा परिषद, कोयंबटूर के तत्वाधान में अन्नदान का आयोजन माहेश्वरी भवन के मुख्य द्वार मेन रोड पर रास्ते से जाते हुए जरूरतमंद राहगीरों को किया गया, अन्नदान के तहत गरीब परिवारों एवं जरूरतमंद राहगीरों को १०० से ज्यादा भोजन की थालिया वितरित की गयी, साथ ही में काउंटर पर से प्रतिदिन छाछ का वितरण भी किया गया, कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा सचिव संतोष मूंदड़ा, सदस्य ओमप्रकाश चांडक, लक्ष्मीकांत भुराड़िया, मनोज गण्ड, सुमिरन मालू, आशीष चांडक, यश मालानी इत्यादि ने सहयोग दिया।

पृष्ठ ३१ से... स्वस्थ रहने के उपाय के रूप में मर्म और शाश्वत चिकित्सा का ज्ञान जन सामान्य में प्रचलित था। प्राचीन समय में स्वस्थ रहने के लिए ऋषि मनीषियों के माध्यम से मर्म एवं शाश्वत चिकित्सा का प्रयोग आमजन करते थे, परंतु मर्म चिकित्सा में अज्ञानता वश मर्म स्थान पर आघात से होने वाले दुष्प्रभाव के कारण शाश्वत चिकित्सा जिसमें आघात होने पर भी किसी प्रकार के दुष्प्रभाव से रहित होने के कारण आम जनों में अत्यधिक प्रचलित था, जिसके माध्यम से विभिन्न असाध्य रोगों से मुक्ति पाई जा सकती थी परंतु समय काल के प्रभाव में ऐसी विद्या विलुप्त होती गई, परंतु हमारे ऋषि मनीषियों के आश्रम में इसे जीवित रखा, आज इस शाश्वत विद्या के बारे में अधिक जानकारी नहीं होने के कारण इस महत्वपूर्ण आंगिरसी विद्या का प्रचार-प्रसार अधिक नहीं हो पाया, इसके उपयोग के विषय में अधिकांश आयुर्वेद विशेषज्ञ अनभिज्ञ रहे, अनुभव से यह सिद्ध हुआ है कि शाश्वत चिकित्सा विधि का समुचित उपयोग किया जाए तो शरीर को अस्थि जनित एवं मानसिक बीमारियों से सरलता और सहजता पूर्वक असाध्य रोगों से निजात पाया जा सकता है। शाश्वत चिकित्सा एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जिसमें कम समय में थोड़े से अभ्यास से सीख कर संपूर्ण मानवता की सेवा की जा सकती है, जहां अन्य चिकित्सा पद्धतियों का इतिहास कुछ १०० वर्षों से लेकर हजारों वर्ष माना जाता है, परंतु मर्म चिकित्सा और शाश्वत चिकित्सा को कालखंड से नहीं बांधा जा सकता, माहेश्वरी मण्डल भायन्दर द्वारा महेश नवमी के उपलक्ष्य पर १० दिवसीय शाश्वत चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया। मण्डल अध्यक्ष नटवर डागा ने 'मेरा राजस्थान' पत्रिका को बताया की पहला सुख 'निरोगी काया' को ध्यान में रखते हुए युवा संत १००८ डॉ. श्री गुणप्रकाशजी चैतन्य महाराज के परम् शिष्य स्वामी श्री भक्तिप्रकाशजी महाराज के द्वारा शाश्वत चिकित्सा पद्धति से उपचार पद्धति बताई गई। मण्डल सचिव नारायण तोषनीवाल ने बताया की इस चिकित्सा का लाभ १००० से अधिक लोगों ने लिया। यह चिकित्सा शिविर १५ जून २०२५ को समापन किया गया।

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम
'फलोदी' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनायें

Rajesh Kumar Sancheti
Automobile Financier And Tea Trader
Mob.: 9443432970

9, Punitha Garden, Vadavalli, Coimbatore,
Tamil Nadu, Bharat-641041
email: bridgefinance@gmail.com

जय भारत! जय-जय राजस्थान

हेमचंद पुरोहित
व्यवसायी व वरिष्ठ समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२१०१५४२८

हेमचंद जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'फलोदी' पहले के मुकाबले बहुत ही अधिक परिवर्तित हो गया है, पहले यह एक कस्बा था आज 'फलोदी' को जिला घोषित किया गया है, यहां हर तरह की सुविधाएं और व्यवस्थाएं हैं, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसते हैं, लोगों का आपसी सामंजस्य बहुत ही उत्तम है, पहले के मुकाबले आज यहां स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल की व्यवस्था अच्छी हुई है, उच्च शिक्षा के लिए आज भी यहां से १३७ किलोमीटर दूर 'जोधपुर' जाना होता है, आज फलोदी सीए हब बन गया है, प्रतिवर्ष काफी संख्या यहां के विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनते हैं। पिछले ५ सालों में यहां नगर पालिका बहुत ही अव्यवस्थित हो गई है, व्यापारिक दृष्टिकोण से यह क्षेत्र पहले से ही उत्तम रहा है, आज यहां हर तरह का कारोबार और व्यापार होने लगा है, पहले 'फलोदी' नमक और सट्टे बाजार के लिए विशेष जाना जाता था, आज यहां इलेक्ट्रिसिटी के लिए सोलर पैनल प्लांट भी लग रहा है, यहां कृषि क्षेत्र में फसलों की पैदावार अच्छी होने लगी है, अनाज मंडी बहुत ही बड़ी है यहां कृषि के लिए पानी की व्यवस्था ट्यूबवेल से होती है, यहां का प्राकृतिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, प्राचीन समय के कई ऐतिहासिक हवेलियां और मंदिर हैं, यहां की प्रमुख देवी लटियाल माता जी का मंदिर है और बाजार में जैन समाज के गौड़ी पार्श्वनाथ जी का मंदिर बहुत ही प्रमुख है, यह पूर्णत: कांच का बना हुआ है, फलोदी को छोटी काशी भी कहा जाता है, इसके अलावा हमारे 'फलोदी' में कई तालाब हैं, जिनमें रानीसर और शिवसर तालाब बड़े हैं, यहां के खानपान की चीजों में यहां की मिठाइयां बहुत ही प्रसिद्ध हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'।

हेमचंद जी का जन्म 'फलोदी' में, प्रारंभिक शिक्षा फलोदी और जोधपुर में तत्पश्चात उच्च शिक्षा भी आपने जोधपुर में ग्रहण की। १९७३ से आप मुंबई में बसे हैं और शेयर मार्केट, स्टॉक ब्रोकर और प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। 'मरू भारती सेवा संघ' मुंबई के संरक्षक हैं। फलोदी वेद भवन में ट्रस्टी की भूमिका निभा रहे हैं साथ ही आपने फलोदी के विकास में बहुत योगदान दिया है, आपके द्वारा यहां जयनारायण फर्स्ट ग्रैजुएट महाविद्यालय का निर्माण किया गया है, जिसमें ऑडिटोरियम का निर्माण भी किया जा रहा है, आरएसएस द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर के संरक्षक हैं और भी कई सामाजिक कार्य किए हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

अशोक थानवी
सहसचिव मरु भारती सेवा संघ मुंबई
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२२२२४४४१

अशोक जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले 'फलोदी' एक छोटा सा कस्बा था और कस्बा होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से बहुत ही समृद्ध था, क्योंकि यहां 'नमक' का निर्माण बड़े पैमाने पर होता है, साथ ही यहां के लोग शेयर मार्केट से भी जुड़े है, आज भी यहां का व्यापारिक क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, विशेष बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में आया है, आज यह चार्टर्ड अकाउंटेंट की नगरी के रूप में जाना जाता है, यहां प्रतिवर्ष २५/३० लड़के चार्टर्ड अकाउंटेंट और लड़कियां सीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करती हैं। शैक्षणिक संस्थान के अभाव के बावजूद यहां के बच्चे अन्य क्षेत्रों में जाकर शिक्षा ग्रहण करते हैं और उच्च मुकाम पाते हैं। अस्पताल भी है, पर उतनी अच्छी सुविधा नहीं है, यहां का सड़क और रेल संपर्क उत्तम है, नेशनल हाईवे से जुड़ा है। 'फलोदी' से 'मुंबई' के लिए हफ्ते में एक बार ट्रेन की व्यवस्था है, कृषि क्षेत्र यहां का बहुत ही उत्तम है। कपास, मूंगफली व अन्य अनाज बड़े पैमाने पर होते हैं, धीरे-धीरे यहां बड़ी-बड़ी कंपनियों के प्लांट भी लग रहे हैं। यहां मिलिट्री एयर फोर्स का बेस भी है। 'फलोदी' जैसलमेर और जोधपुर के बीच स्थित है। यहां के प्रमुख देवस्थानों में लटियाल माताजी का मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध है, हर धर्म समाज के लोग इन्हें मानते हैं, पूरे गांव की आस्था माताजी से जुड़ी है। यहां १०० साल पुराना जैन मंदिर भी है, इसके अलावा रघुनाथ जी का मंदिर भी उल्लेखनीय है, प्राकृतिक वातावरण भी बहुत अच्छा है, यहां कई तालाब हैं और कई प्राचीन हवेलियां भी हैं जो बहुत ही सुंदर है, इसके अलावा यहां प्राचीन किला भी है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, यहां के लोग प्रकृति प्रेमी है, पेड़ों और पशुओं के लिए सदैव कार्य करते रहते हैं, यहां से ८/१० किलोमीटर की दूरी पर 'खीचन' नामक गांव है, जहां बर्ड सेंचुरी है, जहां पर अंतरराष्ट्रीय पक्षियों का आगमन होता है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

अशोक जी मूलतः राजस्थान स्थित 'फलोदी' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा महाराष्ट्र के 'खामगांव व अकोला' में संपन्न हुई है, पिछले कुछ वर्षों से आप 'मुंबई' में बसे हुए हैं और कॉटन ब्रोकिंग के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। 'मरू भारती सेवा संघ' के सहसचिव पद पर कार्यरत हैं, रोटरी क्लब से जुड़े हैं अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

के. पारसमल वैद
उद्योगपति व समाजसेवी
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८४०६२१०००

पारसमल जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि हमारे बचपन के समय 'फलोदी' में बिजली नहीं थी, पर आज का फलोदी है। बहुत अधिक विकसित हुआ है। बिजली पानी सड़क हर तरह की सुविधा यहां उपलब्ध है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट भी बहुत अधिक हुआ है। यदि पहले की बात की जाए तो फलोदी गांव के आसपास कई रेत के टिले हुआ करते थे और जब आंधी चलती थी तो बहुत ही भयानक होती थी, जिसे 'लाल पीली' वहां की भाषा में कहा जाता था, पूरा गांव और गांव के घर रेत से भर जाते थे, जो शायद ही अन्यत्र कहीं देखने को मिलते होंगे। फलोदी की विशेषताओं की बात की जाए तो आज फलोदी की जमीन बहुत ही उपजाऊ है, पूरे फलोदी जिले में ३०००० ट्यूबवेल लगे हैं, जो राजस्थान के टॉप फाइव में शामिल है, यहां हर तरह की नगदी फसलों की पैदावार सबसे अधिक होती है, पहले फलोदी नमक और सट्टेबाजी के लिए जाना जाता था, सट्टे बाजी के कारण फलोदी के लोग बहुत ही अच्छे एनालिसिस्ट बन जाते थे, आज फलोदी में हर तरह का व्यापार होने लगा है, एक मध्यम वर्ग के लिए रोजगार के बहुत साधन है। फलोदी जिले में स्थित 'बाप' नामक गांव आज सोलर एनर्जी प्लांट के लिए जाना जाता है, यहां रिलायंस, अडानी, टाटा जैसे बड़ी-बड़ी कंपनियों के प्रोजेक्ट्स लगे हैं, यहां गीगा वाट बिजली का निर्माण किया जाता है, फलोदी का तापमान सौर ऊर्जा के लिए सबसे अच्छा है, यहां गर्मियों के दिनों में पारा ५० से ५२ डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, यहां कई मिनरल्स की खदानें भी है, इसीलिए फलोदी को पिछले कुछ वर्षों से मिनी दुबई कहां जाने लगा है। आने वाले समय में फलोदी का भविष्य बहुत ही उज्जवल है।

सामाजिक वातावरण की बात की जाए तो फलोदी में ब्राह्मण और जैन समाज की संख्या सबसे अधिक है, यहां मंदिर मार्गी संप्रदाय में खरतररगच्छ और तपागच्छ मुख्य है। जैन समाज के यहां मंदिर, दादावाड़ी और २५ उपाश्रय बने हैं और यह सब हमारे पूर्वजों के कारण ही संभव हुआ है क्योंकि समाज में प्रेम व्यवहार बना रहे, इसके लिए यहां इतने मंदिर, दादावाड़ी और उपाश्रय बने हुए हैं, जो शायद राजस्थान में अन्यत्र पाए जाए, जैन समाज के बीच आचार्य श्री कलापूर्ण सूरिश्वर जी का बहुत बड़ा स्थान है, जिनका जन्म स्थान फलोदी है और यह २०वीं सदी के प्रमुख आचार्य में से एक हैं, उनके सभी परिवार के सदस्यों ने एक साथ दीक्षा ली थी, फलोदी में ब्राह्मण समाज के लोग लटियाल माता जी को बहुत ही श्रद्धा पूर्वक मानते हैं, अपने किसी भी काम की शुरुआत लटियाल माता के जय घोष से ही करते हैं, लटियाल माताजी का मंदिर फलोदी की स्थापना के समय से बना हुआ है, 'फलोदी' गांव के बाहर कई बगीचा है, फलोदी में कई सुंदर हवेलियां, तालाब, छतरियां है, पाकिस्तान सीमांत प्रदेश होने के कारण आजादी के समय से इस क्षेत्र की सुरक्षा के लिए यहां मिलिट्री एयर बेस बना हुआ है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

पहले राजस्थानी रोजगार और व्यापार के लिए देश के विभिन्न भागों में जाते थे, अब वह समय दूर नहीं आने वाले कुछ सालों में प्रवासी राजस्थानी पुनः राजस्थान की ओर प्रस्थान करेंगे।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि शायद ही 'भारत' का कोई ऐसा नागरिक हो, जो इस पर अपनी नकारात्मक प्रक्रिया देगा, 'भारत' ही हमारे देश का मूल नाम है और हर भाषा में यही रहना चाहिए, इंडिया शब्द कहां से आया कैसे आया यह हमारे देश की पहचान नहीं है।

पारसमल जी मूलतः 'फलोदी' के निवासी हैं आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा चेन्नई में संपन्न हुई है, यहां मैन्युफैक्चरिंग, इंपोर्ट और डिस्ट्रीब्यूशन के कारोबार से जुड़े हुए हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। अखिल भारतीय फलोदी जैन एसोसियेशन, चेन्नई स्थित नेमीनाथ सूरभद्र जैन मंदिर व विहार ट्रस्ट, केसरवाडी ट्रस्ट व अन्य कई संस्थानों से जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

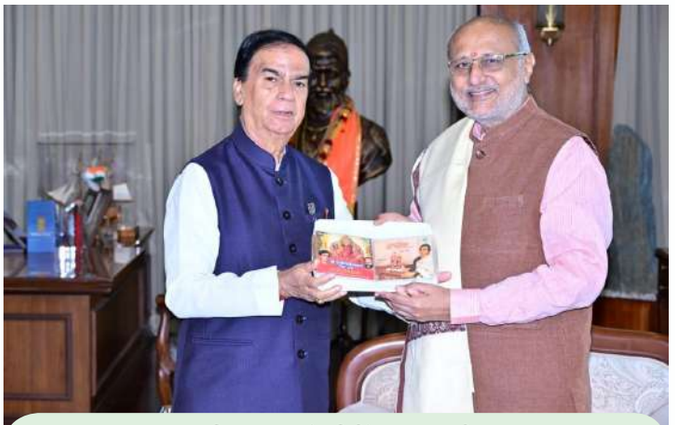

गवर्नर हाउस मुंबई में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री सी.पी. राधाकृष्णन के साथ ओम व्यास...

राजस्थान एसोसिएशन चेन्नई द्वारा २१ मई योग दिवस पर अग्रवाल विद्यालय में ६० व्यक्तियों के साथ योगा कार्यक्रम आयोजित किया।

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे

जय भारत! जय-जय राजस्थान

Remove **INDIA** Name From The Constitution

सीए हरखचंद गोलच्छा
चार्टर्ड अकाउंटेंट व समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२०१२३८००

हरखचंद जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि हमारे बचपन के 'फलोदी' और आज के 'फलोदी' में बहुत ही अंतर आ गया है, दिन-प्रतिदिन यहां का विकास हो रहा है। शिक्षा व चिकित्सा के दृष्टिकोण से क्षेत्र उत्तम हो गया है। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की व्यवस्था अच्छी है, रेल व सड़क संपर्क माध्यम अच्छा हो गया है, यह राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ा हुआ है, यहां से जैसलमेर १६० किलोमीटर, जोधपुर १४० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां का सामाजिक वातावरण भी बहुत ही उत्तम है, यहां सबसे अधिक संख्या पुष्करणा ब्राह्मण समाज की है, इसके बाद जैन, माहेश्वरी व अन्य समाज के लोग भी बसे हैं, कहा जा सकता है कि ३६ कौम के लोग यहां बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी सौहार्द का वातावरण है। उद्योग व्यापार की बात की जाए तो पहले 'फलोदी' और उसके आसपास के क्षेत्र में नमक निर्माण अधिक होता था, कुएं के खारे पानी से नमक बनते थे, जो यहां के १० किलोमीटर दूर पर स्थित 'मलार' और ३० किलोमीटर पर स्थित 'बाप' गांव में आज भी बड़े पैमाने पर किया जाता है, बाप तहसील आज सोलार पावर एनर्जी प्लांट का हब बन गया है। पहले 'फलोदी' सट्टे बाजार के लिए भी जाना जाता था, आज 'फलोदी' में नहर का पानी और ट्यूबवेल के कारण कृषि की पैदावार अच्छी होने लगी है, यह जीरा, इसबगोल, मूंगफली, बाजरा, रायडा जैसी फसलों की पैदावार अच्छी होने लगी है। प्राचीनता की बात की जाए तो यहां की स्थानीय देवी लटियाल माताजी का मंदिर सबसे पुराना है, कहते हैं जब से 'फलोदी' की स्थापना हुई है तभी इस मंदिर का निर्माण हुआ थ, इसके अलावा और भी कई-देवी देवताओं के मंदिर है। जैन समाज के भी लगभग १० मंदिर और पांच दादावाड़ी हैं, जिनमें सबसे प्राचीन शांतिनाथ और गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर है, त्रिफोलिया बाजार में स्थित गौड़ी पार्श्वनाथ जी का मंदिर पूरी तरह से कांच का बना हुआ बहुत ही सुंदर है, यहां तेरापंथ समाज के भी दो भवन बने हुए हैं, आज भी 'फलोदी' में प्राचीन किला और १०० साल पुरानी सुंदर हवेलियां और छतरियां है। 'फलोदी' में सात तालाब है। यहां मिलिट्री का अंडरग्राउंड बेस भी है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए भारत।

हरखचंद जी का जन्म और शिक्षा 'फलोदी' में संपन्न हुई है, पिछले ५५ सालों से आप 'मुंबई' में निवास कर रहे हैं, यहां आप चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत है, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

विनोद कुमार जैन
व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-रायपुर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३२९५६७०९२

विनोद जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि बचपन की छुट्टियों में हमारा जाना 'फलोदी' होता था, क्योंकि हमारे दादाजी का और नाना जी का घर 'फलोदी' में ही है, वहां जाकर मन बहुत ही प्रफुल्लित होता था, लोगों का आपसी सामंजस्य प्रेम व्यवहार बहुत ही अच्छा है, लोग बहुत ही मिलनसार हैं। 'फलोदी' प्राकृतिक रूप से भी बहुत सुंदर और रमणीय स्थान है, यहां प्राचीन किला और १०० साल से भी अधिक पुरानी सुंदर नक्शीदार हवेलियां हैं, साथ ही यहां कई तालाब, जैन मंदिर, सनातन मंदिर है, यह एक दर्शनीय और श्रद्धा का मुख्य केंद्र भी कहा जा सकता है, यहां सबसे प्राचीन लटियाल माता जी का मंदिर है, जो पूरे गांव की आस्था का केंद्र है, इसके अलावा यहां जैन समाज के १३-१४ जैन मंदिर हैं, जिनमें गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर सबसे प्राचीन है। पुरानी छतरियां भी हैं, जैन समाज के दादावाड़ी व स्थानक भी हैं। यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं। जैन, माहेश्वरी, ब्राह्मण समाज की संख्या अधिक है। आर्थिक स्थिति की बात की जाए तो पहले नमक और सट्टे बाजार के लिए जाना जाता था 'फलोदी', आज यहां कई तरह के कारोबार होने लगे हैं, बाजार भी बढ़ गया है, जब से इंदिरा नहर आई है तब से यहां कृषि की पैदावार भी अच्छी होने लगी है, हर तरह की फसलें होती हैं। यहां समाज द्वारा गौशाला भी संचालित है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

विनोद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा 'हैदराबाद' में संपन्न हुई है, पिछले कुछ वर्षों से आप छत्तीसगढ़ की राजधानी 'रायपुर' में बसे हुए हैं और फार्मास्यूटिकल व्यवसाय से जुड़े हैं साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं, जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं और मंदिरों से जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

सीए तिलोकचंद ओस्तवाल

चार्टर्ड अकाउंटेंट व समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९००४६६०१०७

तिलोक जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि अपनी पैतृक भूमि से हर किसी को लगाव रहता है, इस तरह मेरा जुड़ाव अपने 'फलोदी' से हैं। 'फलोदी' एक बहुत ही सुंदर शहर बन चुका है, आज यह जिला भी है और हर तरह की सुविधाओं से परिपूर्ण है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है। जैन, ब्राह्मण, पुष्करणा ब्राह्मण, माहेश्वरी व अन्य समुदाय के लोग सौहार्दपूर्ण वातावरण में निवास करते हैं, यहां जैन समाज के कई मंदिर हैं, इसीलिए 'फलोदी' को आज तीर्थ स्थान के रूप में भी जाना जाता है, यहां का सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर गोडी पार्श्वनाथ जी का है, इस मंदिर की यह विशेषता है कि मंदिर सड़क से ऊपर की तरफ बना है, एक तरफ मंदिर जाने का मार्ग और दूसरी तरफ आने का मार्ग है, मंदिर के नीचे से मार्केट की तरफ जाया जाता है, यह मुख्य बाजार में स्थित है, इसके अलावा और भी कई धार्मिक मंदिर यहां बने हुए हैं, यहां से ३० किलोमीटर की दूरी पर रामदेवरा जी का स्थान है और ५० किलोमीटर पर कुलदेवी ओसियां माताजी और ओसिया तीर्थ है। आर्थिक स्थिति की बात की जाए तो पहले नमक एवं विंड एनर्जी के लिए सट्टे बाजार के लिए 'फलोदी' जाना जाता था, यहां हर एक छोटी-छोटी बातों पर सट्टे लगते थे, इनके अलावा आज 'फलोदी' में सोलर और विंड एनर्जी प्लांट भी लगे हैं, जिससे 'फलोदी' वालों को काफी फायदा हो रहा है, कृषि की व्यवस्था अच्छी हो गई है। 'फलोदी' की विशेषता यह भी है कि पाकिस्तान की सीमांत क्षेत्र से जुड़ा होने के बावजूद आज तक 'फलोदी' में कोई बम या विस्फोटक पदार्थ नहीं गिरा, यहां मिलिट्री बेस भी है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' की...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि नाम केवल 'भारत' करना आसान नहीं है, सर्वप्रथम संविधान में जहां India That Is Bharat लिखा है उसको परिवर्तन करना होगा, जिसके लिए भारत सरकार से संपर्क करना चाहिए।

तिलोकचंद जी का जन्म 'फलोदी' में और प्रारंभिक शिक्षा 'सोलापुर' में संपन्न हुई है। उच्च शिक्षा और चार्टर्ड अकाउंटेंट की शिक्षा आपने मुंबई से ग्रहण की हैं, वर्तमान में चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं, आपकी सीए फर्म ४६ सालों से कार्यरत है, आपने रिलायन्स इंडस्ट्रिज, टाटा सन्स, एयर इंडिया जैसी कई कंपनियों के लिए कार्य किया है और कर रहे हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं।

आपके छोटे भाई राजेश ओसवाल ने श्वेताम्बर जैन धर्म में दीक्षा ली है, आज पन्यास रत्न यश विजय जी के रूप में पूजनीय हैं, जल्द ही आपको आचार्य पद प्राप्त होने वाला है। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

तिलोक चंद भंसाली

अध्यक्ष दक्षिण भारत फलोदी जैन एसोसियाशन चेन्नई
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९७१०१३३०००

तिलोक जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले 'फलोदी' का सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण बहुत ही सुंदर था, वातावरण में बहुत ही सुख शांति थी, हमारा बचपन यहां के रेतीले टिलों पर बीता है, बहुत ही आनंदमय बचपन था हमारा। लोगों में अपनत्व की भावना थी, प्रेम व्यवहार था, लोग एक दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े थे, पर आज लोगों में भावनाओं की कमी आ गई है, यह पूरी तरह से शहर बन चुका है, आज 'फलोदी' जिला बन गया है और जिले के अनुरूप यहां हर तरह की सुविधाएं हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर का डेवलपमेंट अधिक हुआ है, रेल की व्यवस्था तो पहले से ही थी, आज जंक्शन बन गया है, यहां से मुंबई, जोधपुर, जैसलमेर जैसे बड़े महानगरों के लिए ट्रेन की सुविधा उपलब्ध है। सड़क चौड़ी हो गई है, आवागमन के साधन बढ़ गए हैं, राष्ट्रीय राजमार्ग से भी जुड़ा है। यहां के व्यापारिक स्थिति की बात की जाए तो पहले नमक व सट्टे बाजार के लिए जाना जाता था, यहां का सट्टा मार्केट आज भी प्रसिद्ध है, यहां बात-बात पर लोग एक दूसरे से सट्टा लगाते हैं। मुंबई के शेयर मार्केट, स्टॉक ब्रोकिंग में 'फलोदी' वालों का दबदबा था। आज 'फलोदी' कृषि व्यापार के लिए भी जाना जाने लगा है। मूंगफली व अन्य अनाज की पैदावार अच्छी होने लगी है, कृषि मंडी भी है। बिजली, पानी हर चीज की उत्तम व्यवस्था है, यहां की ऐतिहासिकता की बात की जाए तो यहां आज भी कई प्राचीन स्थापत्य हैं, जिनमें यहां का गढ़ और हवेलियां विशेष रूप उल्लेखनीय है, मंदिरों की बात की जाए तो यहां जैन समाज का त्रिफोलिया बाजार में गौड़ी पार्श्वनाथ जी का कांच मंदिर बहुत ही उल्लेखनीय है, इसके अलावा यहां ग्राम देवी लटियाल माता जी का मंदिर भी बहुत प्रसिद्ध है, लोगों की श्रद्धा का मुख्य केंद्र है, यहां जैन समाज के कई मंदिर हैं, 'फलोदी' में चार तालाब व प्राचीन छतरियां हैं। यहां समाज द्वारा गौशालाएं भी संचालित हैं और भी कई विशेषताएं हैं, हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि अवश्य ही अपने देश का नाम सिर्फ और सिर्फ 'भारत' ही रहना चाहिए, इस राष्ट्रीय अभियान का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं।

तिलोक जी मूलतः राजस्थान स्थित 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा 'फलोदी' में ही संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप 'चेन्नई' में बसे हैं और सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में कार्यरत हैं, यहां आप थोक कपड़ों के कारोबार से जुड़े हैं, सामाजिक क्षेत्र में शांतिनाथ जैन मंदिर के ट्रस्टी हैं, केपीएल जैन संघ चेन्नई के पिछले २० सालों तक अध्यक्ष व सचिव पद पर थे, दक्षिण भारत फलोदी जैन संगठन के अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

सतीश कलंत्री

व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४४४०८६४४४

सतीश जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि हमारा जुड़ाव बचपन से ही 'फलोदी' से रहा है, उस समय के 'फलौदी' और आज के 'फलौदी' में बहुत विकास दिखाई देता है, हर क्षेत्र में यहां विकास हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बात की जाए तो विद्यालय और महाविद्यालय है, उच्च शिक्षाओं के लिए 'जोधपुर' जाना होता है। 'फलोदी' का रेलवे स्टेशन आज जंक्शन बन गया है जो मुंबई, दिल्ली, जोधपुर, जैसलमेर जैसे बड़े-बड़े शहरों से जुड़ा हुआ है, यह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने से यहां सड़क आवागमन बहुत ही उत्तम है। सामाजिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां ब्राह्मण समाज की संख्या सबसे अधिक है, इसके अलावा जैन, माहेश्वरी, राजपूत सभी बसे हैं, सभी के बीच मेल-मिलाप अच्छा है। प्राचीनता और ऐतिहासिकता की बात की जाए तो आज भी 'फलोदी' में कई प्राचीन वस्तुएं हैं, जैसे यहां का गढ़ विशेष उल्लेखनीय है, यहां कई सुंदर और पुरानी हवेलियां भी हैं, यहां की ग्राम देवी लटियाल माताजी का मंदिर भी बहुत पुराना है। जैन समाज के भी कई मंदिर हैं, जिनमें तो कई मंदिर सैकड़ों साल पुराने हैं, इसके अलावा यहां का प्राकृतिक वातावरण अच्छा है। आर्थिक रूप से भी यह क्षेत्र बहुत ही सक्षम है, यहां पहले नमक और सट्टे का कारोबार बड़े पैमाने पर होता था, आज यहां हर तरह का व्यवसाय होने लगा है, साथ ही खेती-बाड़ी भी अच्छी हो रही है, जबसे यहां पानी की सुविधा हुई है तब से यहां खेती में फसलों की उपज जैसे कपास, रायडा फसलों की अधिक हो रही है। यहां की अनाज मंडी बहुत ही बड़ी है, इसके अलावा यहां होटल, लॉज, धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की उत्तम सुविधा है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है की 'भारत' हमारे देश का मूल नाम है, अतः हर भाषा में हमारी पहचान 'भारत' ही रहनी चाहिए।

सतीश जी मूलतः राजस्थान के स्थित 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म व प्रारंभिक शिक्षा 'फलोदी' व उच्च शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है। पिछले कई वर्षों से आप चेन्नई में बसे हैं व टेक्सटाइल इंडस्ट्री से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। चेन्नई में आपके ६ भाइयों का संयुक्त परिवार प्रवासित है। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

संतोष लुणिया

व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-कोयंबटूर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४४२०७४९९९

संतोष जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'फलोदी' में काफी अंतर आ गया है, विकास तो हुआ है पर और भी विकास की आवश्यकता है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में यहां कई बड़े-बड़े क्षेत्र संस्थान और अस्पताल बन गए हैं, पर आज भी उच्च सुविधाओं के लिए 'जोधपुर' या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता है। यहां आवागमन की सुविधा बहुत ही उत्तम है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, लोगों में आपसी भाईचारा बहुत ही उत्तम है, यहां जैन समाज के कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनमें गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर विशेष प्रसिद्ध है, क्योंकि यह पूरी तरह से कांच का बना हुआ है और यहां की ग्राम देवी लटियाल माताजी का मंदिर बहुत ही प्राचीन है, इसके अलावा भी अन्य कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं। आर्थिक रूप से भी यह क्षेत्र उन्नति की ओर अग्रसर है, पहले यहां नमक का उत्पादन और सट्टे बाजी अधिक होती थी, आज हर तरह का व्यापार होने लगा है, खेती-बाड़ी भी अच्छी होने लगी है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

संतोष जी मूलतः 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'कोयंबटूर' में संपन्न हुई है, यहां आप फैंसी लाइट के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

डॉ मनोज जैन

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय फलोदी जैन संघ
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८४००५२४९४

मनोज जी मूलतः राजस्थान के 'फलोदी' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है, यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। चेन्नई और फलोदी के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं। 'फलोदी जैन संघ' दक्षिण भारत, अखिल भारतीय फलोदी जैन संघ व आदिनाथ जैन ट्रस्ट चेन्नई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। जिन कुशलसूरि ट्रस्ट केसरवाणी चेन्नई के शहर मंत्री व मुनि सुव्रत कुशल सूरी ट्रस्ट विपेरी चेन्नई के ट्रस्टी, तमिलनाडु खरतररगच्छ संघ के कार्यकारिणी सदस्य, श्री आदिनाथ जैन मंडल सुले चेन्नई के सदस्य हैं, अब तक विभिन्न शासन सेवा कार्य में करीब १५५०००० लोगो की मदद की हैं, जरूरतमंद की सेवा हेतु अमेरिका यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। तमिलनाडु राजस्थानी संघ द्वारा 'राजस्थान श्री' से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रसंत ललितप्रभ जी, चंद्रप्रभ जी द्वारा हजारों की जन मेदनी में सेवा रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया है। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

त्रिलोकचंद गोलेछा
इंजीनियर व समाजसेवी
फलोदी निवासी-जयपुर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४१४९६२३५४

त्रिलोकचंद जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'फलोदी' विशेषकर एक धार्मिक नगरी है। 'फलोदी' से आज तक लगभग १५०-२०० साधु-साध्वी विभिन्न आमनाओं के दीक्षित हुए हैं। पहले यहां की भौगोलिक स्थिति के कारण यहां के अधिकतर परिवार रोजगार व्यवसाय हेतु देश के विभिन्न भागों में जाकर बस गए। 'फलोदी' में सबसे अधिक जनसंख्या जैन और पुष्करणा ब्राह्मण की थी, इसके अलावा अन्य धर्म और समाज के लोग भी यहां बसे हुए हैं, यहां की धार्मिक स्थिति की बात की जाए तो यहां लगभग १५ जैन मंदिर व दादावाडी हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर बहुत प्रसिद्ध है, जो कांच मंदिर के रूप में जाना जाता है, इसके अलावा जैन समाज की दादावाड़ी, स्थानक व धर्मशालाएं बनी हुई हैं। यहां की खींवसर और रानीसर दादाबाड़ी विशेष प्रसिद्ध है, यहां की ग्राम देवी लटियाल माताजी का बहुत ही प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर है। 'फलोदी' से पोकरण जाते समय रामदेवरा जी का भी मंदिर प्रसिद्ध है, जो पूरे राजस्थान की आस्था का केंद्र है। 'फलोदी' से ६०-६५ किलोमीटर दूरी पर ओसवाल समाज की कुलदेवी ओसिया माताजी का भी मंदिर है। आर्थिक दृष्टिकोण की बात की जाए तो पहले 'फलोदी' नमक उत्पादन और सट्टे बाजार के लिए विशेष जाना जाता था, आज यहां हर तरह का व्यवसाय होने लगा है, कृषि के क्षेत्र में भी यह उत्तम हो गया है, हर तरह की फसलों का उत्पादन होता है और यहां सरकार की प्रेरणा से सोलर एनर्जी प्लांट भी लगे हैं, जिससे यहां की अर्थव्यवस्था को बहुत ही आधार मिला है, यहां सूखी सब्जियों की पैदावार अधिक होती है, यहां आने वाले विदेशी पर्यटक इन सब्जियों का आनंद बड़े मजे से उठाते हैं। यहां हेरिटेज होटल भी है, जहां पर्यटकों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था है। 'फलोदी' में कई प्राचीन और ऐतिहासिक हवेलियां हैं, जिनमें से लाल निवास नामक हवेली आज हेरिटेज होटल के रूप में जानी जाती है। खानपान की बात की जाए तो यहां बेसन का चूरमा व गाल के लड्डू बहुत प्रसिद्ध हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

त्रिलोकचंद जी मूलतः 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा 'फलोदी' में, उच्च शिक्षा बीई इंजीनियरिंग व एमबीए मार्केटिंग राजस्थान युनिवर्सिटी जयपुर में संपन्न हुई है। आप इंजीनियर के रूप में कार्यरत रहे हैं। पिछले कई वर्षों से आप 'जयपुर' में बसे हैं। सोलर एनर्जी प्लांट के क्षेत्र में आपको इनिशियल प्रॉमिनेंट रोल प्ले करने का अवसर प्राप्त हुआ है। सन् २००० से २०१० के बीच में कंसल्टेशन के रूप में कई कंपनियों से जुड़े रहे। 'फलोदी' में लगने वाले इंडिविजुअल सोलर प्लांट में आपकी कंसल्टेशन की विशेष भूमिका रही, जिसके सर्वे के लिए आपने १०-१० किलोमीटर तक ऊंट की सवारी की है, इस सर्वे के आधार पर आज 'फलोदी' और उसके आसपास के क्षेत्र में करोड़ों रुपए के इन्वेस्टमेंट हुए हैं, 'फलोदी' में आपके परिवार की 'गुलेच्छा की हवेली' भी है जो प्राचीन धरोहर के रूप में जानी जाती है। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

कांतिकुमार ढड्ढा
व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२०२५२१८६

कांतिकुमार जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले 'फलोदी' एक छोटा सा कस्बा था, आज शहर बन चुका है और जिला बनने से यहां के विकास में और तेजी आई है। पहले 'फलोदी' एक सीमित क्षेत्रफल में बसा हुआ था, आज का 'फलोदी' चारों तरफ बढ़ गया है, बस्तियां बढ़ गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कारण यहां बहुत ही बदलाव आया है। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की व्यवस्था उत्तम हो गई है, रेल व सड़क का माध्यम अच्छा है। उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए 'जोधपुर' जाना होता है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर समाज के लोग बसे हैं, जैन, माहेश्वरी, ब्राह्मण समाज की संख्या अधिक है। यहां आर्मी का बेस भी है, इसलिए अन्य राज्यों के लोग भी यहां बसे हुए हैं। यहां का सामाजिक वातावरण हमेशा सौहार्दपूर्ण बना रहता है। व्यापारिक स्थित की बात की जाए तो यहां नमक निर्माण और सट्टे का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है। पहले यहां पानी की कमी थी, हरी सब्जियां भी जोधपुर से आने वाली ट्रेनों में आती थी, जो एक घंटे में ही बिक जाती थी, उस समय पुरे गांव के लोग सब्जियां खरीदते थे, पर जब से यहां ट्युबल की संख्या बढ़ी है, तब से यहां हर फसलों व सब्जियों की पैदावार होने लगी है, सबसे अधिक पैदावार जीरे का होता है, यहां अनाज की बहुत बड़ी मंडी है, इसीलिए आज 'फलोदी' आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहा है, धार्मिक रिश्ते की बात की जाए तो 'फलोदी' में सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण मंदिर गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर है, जो पूरी तरह से कांच का बना है और यहां की ग्राम देवी लटियाल माता जी का मंदिर बहुत ही प्राचीन और ऐतिहासिक है, इसके अलावा और भी कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं। ऐतिहासिकता की दृष्टिकोण से यहां प्राचीन दुर्ग और हवेलियां हैं, कई प्राचीन छतरियां भी हैं। 'फलोदी' में चार-पांच तालाब हैं, यहां का सबसे बड़ा तालाब राणीसर है, इसके अलावा हर समाज की गौशालाएं भी संचालित हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम 'भारत' ही रहना चाहिए इंडिया का कोई मतलब ही नहीं है, हमारे देश की वास्तविक पहचान 'भारत' से ही है।

कांतिकुमार जी मूलत: फलोदी के निवासी हैं, आपका जन्म और शिक्षा 'जोधपुर' में संपन्न हुई है। पिछले ५० सालों से आप 'मुंबई' में बसे हैं और आभूषणों के निर्माण और एक्सपोर्ट के कारोबार से जुड़े हैं, यहां के एक्सपर्ट्स जोन में आपकी कंपनी स्थित है, मुंबई स्टॉक एक्सेंच में आपकी कंपनी 'गोलकुंडा डायमंड' सुचिबद्ध है, साथ ही आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। फलोदी मित्र मंडल के सदस्य हैं, श्रीमद् राजचंद्र आश्रम वलसाड से जुड़े हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

जितेंद्र सुराणा
कोषाध्यक्ष फलोदी जैन संघ कोयंबटूर
फलोदी निवासी-कोयंबटूर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४४२८४४८५९

जितेंद्र जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि अपनी माटी, अपनी जन्मभूमि हर किसी को प्यारी होती है, वहां जाकर मन प्रसन्नचित हो जाता है। अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' जब भी जाता हूं वहां का समाज, वहां का प्राकृतिक वातावरण हमेशा ही आकर्षित करता है, वहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, लोगों के बीच आपसी प्रेम व्यवहार बहुत ही अच्छा है, एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना रखते हैं, विकास की बात की जाए तो पहले की तुलना में 'फलोदी' हर क्षेत्र में विकास हुआ है, शिक्षा के लिए यहां कई बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान खुल गये है, अस्पताल निजी और सरकारी दोनों ही हैं, आवागमन के साधन बहुत अच्छे हैं, नेशनल हाईवे से भी जुड़ा हुआ है। व्यापारिक क्षेत्र में भी उन्नति कर रहा है, 'नमक' का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाता है, साथ ही प्रॉपर्टी का कारोबार भी यहां जोरों से चल रहा है, यहां अन्य व्यापार भी होते हैं, खेती-बाड़ी बहुत ही उपजाऊ है, यहां अनाज की बहुत बड़ी मंडी है। 'फलोदी' निवासी आज 'भारत' के हर क्षेत्र में बसे हैं और लगभग सभी अपनी पैतृक निवास 'फलोदी' से जुड़े हुए हैं, यहां कई जैन मंदिर हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है गौडी पार्श्वनाथ जी का कांच का मंदिर, जो आज एक धार्मिक और रमणीय स्थान है, दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं, इसके अलावा जैन समाज के और भी मंदिर, स्थानक बने हुए हैं। आज 'फलोदी' को पंचतीर्थ के रूप में जाना जाता है, यहां हनुमान जी का भी बहुत ही प्रसिद्ध मंदिर है। प्राकृतिक वातावरण की बात की जाए तो यहां गौशालाएं और हवेलियां हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे फलोदी में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि 'भारत' हमारे देश का मूल नाम है, हमारा इतिहास और संस्कृति है, इसलिए हर भाषा में देश का नाम तो 'भारत' ही रहना चाहिए।

जितेंद्र जी मूलतः राजस्थान के 'फलौदी' के निवासी हैं। आपका जन्म और प्राथमिक शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले ४० सालों से आप कोयंबटूर में बसे हैं और कपड़ों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थान में सक्रिय हैं। फलोदी जैन संघ कोयंबटूर के कोषाध्यक्ष हैं, भारतीय जैन संगठन से भी जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

राजेंद्र पुरोहित
व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८२०३६७२३७

राजेंद्र जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि यदि मेरे बचपन की बात की जाए तो उस समय 'फलोदी' में शिक्षा प्राथमिक तक थी, उच्च शिक्षा के लिए 'जोधपुर' जाना पड़ता था, पर आज 'फलोदी' शिक्षा के लिए विशेष रूप से जाना जाता है, यहां कई बुद्धिजीवी हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में एक उच्च मुकाम हासिल किया है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत अधिक हुआ है, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल की संख्या बढ़ गई है, यहां का व्यापार भी पहले से बढा है, पहले नमक और सट्टे बाजार के लिए जाना जाता था, मुंबई के शेयर मार्केट और स्टॉक ब्रोकिंग में फलोदी वालों की विशेष पकड़ थी, आज कुछ कम हुयी है। यहां पानी की उत्तम व्यवस्था होने से खेती-बड़ी अच्छी होने लगी है, हर तरह की फसलों का उत्पादन होने लगा है, यहां का पानी मीठा है। ऐतिहासिकता की बात की जाए तो यहां प्राचीन किला, १०० साल से भी अधिक पुरानी सुंदर हवेलियां, जैन मंदिर व हिंदू मंदिर भी बने हुए हैं, यहां पर लटियाल माताजी का मंदिर विशेष प्रसिद्ध है जो यहां की ग्राम देवी कही जाती है, साथ ही यहां से कुछ दूर स्थित 'जैसलमेर' जाते समय ओसिया माताजी व रामदेवरा का भी मंदिर है, अन्य कई देवी-देवताओं के यहां मंदिर हैं, फलोदी को 'पश्चिम की काशी' भी कहा जाता है। यहां का धार्मिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर लोग धर्म-कर्म से जुड़े हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से यह क्षेत्र उत्तम है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

राजेंद्र जी का जन्म और उच्च शिक्षा 'फलोदी' व 'जोधपुर' में संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप 'मुंबई' में बसे हैं, पूर्व में कांतिलाल पोद्दार ग्रुप, एसार ग्रुप, ललित मोदी, वीडियोकॉन व लीलावती हॉस्पिटल में फाइनेंस के पदाधिकारी रहे, वर्तमान में स्वयं का फाइनेंस कारोबार कर रहे हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। जोधपुर एसोसिएशन मुंबई के कार्यकारिणी सदस्य हैं, 'मरू भारती सेवा संघ' मुंबई से जुड़े हैं। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका 'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए अब और इंडिया नहीं

पुरुषोत्तम कलंत्री
व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९३२२२०६१०८

पुरुषोत्तम जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले के मुकाबले आज 'फलोदी' बहुत ही परिवर्तित और विकसित हुआ है, पहले यहां हमेशा पानी की किल्लत रहती थी पर जब से नहर आई है, तब से पानी की सुविधा हो गई है। ट्यूबवैल होने से यहां तीन फसलें होने लगी है, जहां पहले वर्ष में एक ही फसल होती थी, वह भी बरसात के पानी पर निर्भर थी, कभी-कभी तो सुखा रहता था। पहले के मुकाबले यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट भी अधिक हुआ है, बस्तियां बढ़ गई हैं, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल की सुविधा हो गई है, रेल व सड़क संपर्क माध्यम बहुत ही अच्छा हो गया है, यहां की अर्थव्यवस्था की बात की जाए तो पहले सिर्फ नमक उत्पादन होता था, आज यहां कृषि और इंडस्ट्रीज भी है, जीरा, रायडा, मूंगफली जैसी फसलों की पैदावार अधिक होती है, क्योंकि 'फलोदी' में ट्यूबल और इंदिरा नहर के कारण पानी की अच्छी सुविधा है, इसके अलावा 'फलोदी' का सट्टा बाजार की प्रसिद्ध है, मुंबई में भी काफी 'फलोदी' के निवासी शेयर मार्केट से जुड़े हैं। यहां का सामाजिक वातावरण अच्छा है, लोगों में आज भी वही अपनापन व मिलनसार की भावना है, यहां जैन, माहेश्वरी और ब्राह्मण समाज की संख्या सबसे अधिक है। यहां कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, यहां का सबसे बड़ा मंदिर कल्याणराय जी का मंदिर है जो १२वीं शताब्दी में बना हुआ है और दूसरा सबसे प्रमुख मंदिर १५१५ ई. का लटियाल माता जी का मंदिर है, दोनों ही मंदिर ऐतिहासिक और प्राचीन है और उनके पीछे अपनी किवदंतियां भी हैं, इसके अलावा 'फलोदी' में प्राचीन किले और १०० साल से भी अधिक पुरानी सुंदर हवेलियां भी हैं, 'फलोदी' के पास 'खीचन' नामक स्थान पर कुर्जा पक्षियों की बर्ड सेंचुरी है, इसके अलावा जैन समाज के कई प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनमें त्रिपोलिया बाजार में स्थित कांच का मंदिर विशेष उल्लेखनीय है, जो पूरी तरह से कलात्मक रूप से कांच से बनाया गया है, इसके अलावा ६-७ तालाब, छतरियां, गौशालाएं भी हैं, प्राकृतिक रूप से यह क्षेत्र बहुत ही उत्तम है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'।

पुरुषोत्तम जी का जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'फलोदी' में संपन्न हुई है, पिछले २० सालों से 'मुंबई' में बसे हैं, कन्सल्टेंसी ऐडवाइजरी के रूप में कार्यरत हैं, आपके बच्चों के अपने-अपने फर्म हैं, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट, एच आर से जुड़े हैं, साथ ही आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी प्रगति मंडल मुंबई मालाड शाखा के वरिष्ठ समिती सदस्य हैं। माहेश्वरी बंधु एकता परिवार कांदिवली में संरक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

जयकिशन बिड़ला
अध्यक्ष महेश्वरी सेवा समिति फलोदी
फलोदी निवासी
भ्रमणध्वनि: ६३७७१०१८०९

जय किशन जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'फलोदी' में रात दिन का अंतर आ गया है, पहले यह एक कस्बा था, आज जिला बन चुका है यहां हर तरह से विकास हुआ है, स्कूल, कॉलेज की संख्या अधिक हो गई है, अस्पताल की भी व्यवस्था अच्छी है, आवागमन के साधन अच्छे हैं, यहां का रेलवे स्टेशन बीकानेर, जैसलमेर, मुंबई जैसे महानगरों से जुड़ा हुआ है। सड़क व्यवस्था भी अच्छी है, यह राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा है। व्यापारी दृष्टिकोण से 'फलोदी' हमेशा से ही उत्तम रहा है, आज यहां का बाजार बहुत अधिक बढ़ गया है, आसपास के लोग भी खरीदारी के लिए 'फलोदी' आना पसंद करते हैं, यहां 'नमक और सट्टे' का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है, कृषि भी अच्छी होती है, इसीलिए यहां की जीरा मंडी बहुत बड़ी है, यहां का सबसे प्रमुख बाजार गांधी चौक व त्रिपोलिया बाजार है। सामाजिक वातावरण यहां का बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, ब्राह्मण समाज की संख्या बहुत अधिक है इसके बाद जैन, माहेश्वरी, जाट, माली नाई जैसे सभी समुदाय के लोग बसे हैं, यहां जैन समाज का सबसे प्रमुख मंदिर है कांच का मंदिर, जो बहुत ही प्रसिद्ध है, इसके अलावा यहां का सबसे पुराना और ऐतिहासिक मंदिर कल्याण राय जी का मंदिर है, कहते हैं कि जब 'फलोदी' की स्थापना हुई थी, तब से इस मंदिर की स्थापना हुई थी, इसके अलावा लटियाल माताजी का भी मंदिर बहुत प्रसिद्ध है जो यहां के ग्राम देवी कही जाती है। प्राकृतिक वातावरण भी यहां का बहुत सुंदर है, तीन चार तालाब हैं, यहां का सबसे बड़ा तालाब रानीसर और उसके बाद शिवसर चकले महादेव का तालाब है, यहां कई प्राचीन सुंदर हवेलियां हैं और किला भी है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम और एक पहचान रहनी चाहिए भारत!

जयकिशन जी का जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'फलोदी' में ही संपन्न हुयी है, यहां आप किराना व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। माहेश्वरी सेवा समिति फलोदी के अध्यक्ष हैं, अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए
- बिजय कुमार जैन, वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक

फलोदी की लाडली-चेन्नई की बेटी

सोनिया जैन
कमांडर एयर इंडिया
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी

सोनिया जी का जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है, शिक्षा में आप हमेशा से ही उत्तम रही हैं, बचपन से ही कुछ अलग करने की इच्छा रही, जिसके लिए आप क्राइम रिपोर्टर, आर्कियोलॉजिस्ट जैसे क्षेत्र में जाने की मंशा थी, आप बताती हैं कि मेरे छोटे भाई को बचपन से ही पायलट बनना था, इसी संदर्भ में पिताजी द्वारा न्यूज़ आर्टिकल सुरक्षित रखा जाता था, दसवीं के वेकेशन में एक दिन वह फाइल मैं देख रही थी, उस समय मैंने पिताजी से कहा कि यह भी बहुत बढ़िया ऑप्शन है कैरियर क्षेत्र के लिए, मैंने सोचा की अपने समाज में भी कोई पायलट (विमान चालक) नहीं बना है, तो मैंने पापा से कहा कि मैं पायलट बनना चाहती हूं। पापा जी ने कहा मुझे कोई दिक्कत नहीं है पर जो भी काम हाथ में लो, उसे अंत तक पूरा करो। मैंने क्लासिकल डांसर की भी शिक्षा प्राप्त की। चेन्नई फ्लाइंग क्लब जाकर मैंने जानकारी प्राप्त की और फ्लाइंग क्लब ज्वाइन किया, जब फ्लाइंग स्टार्ट किया तो मन में यही था कि बस मुझे यही करना है, इसीमें मुझे कैरियर बनाना है। डेढ़ सालों तक चेन्नई फ्लाइंग क्लब में ट्रेनिंग प्राप्त की, उसके बाद रायबरेली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकैडमी, जो एशिया का सबसे बड़ा फ्लाइंग अकैडमी है, जॉइंट कर ढाई साल की ट्रेनिंग ली, इसके बाद इंडियन एयरलाइंस ज्वाइन किया, जो बाद में बदलकर आज 'एयर इंडिया' हो गया है।

अपने उड़ान के सफर में जुलाई २०२० में कोरोना वायरस में अपनी जिम्मेदारियां को निभाते हुए 'वंदे भारत' मिशन का हिस्सा रहीं और विदेश में फंसे भारतीय यात्रियों की वापसी के लिए चलाए गए मिशन 'वंदे भारत' में कुवैत से चेन्नई के लिए, सिंगापुर से चेन्नई के लिए १३५ यात्रियों को लेकर उड़ान भरी, इस चुनौती पूर्ण स्थिति का बाखूबी सामना भी किया। आप आज

एयरबस ३५० उड़ा रही हैं, न्यूयॉर्क और लंदन के लिए उड़ाने भरती हैं। वर्तमान में अल्ट्रा लॉन्ग हॉल्स (ULR and LR) फ्लाइट उड़ाती हैं, पिछले पांच वर्षों से एयरलाइन्स में प्रशिक्षक के रुप में भी कार्यरत हैं। एविएशन के क्षेत्र में अपनी अनगिनत उपलब्धियों के अलावा आप जमीनी स्तर पर कई सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय हैं। सामाजिक पहलुओं पर बच्चों को प्रेरित कर शिक्षित करना, छात्रों को सड़क सुरक्षा पर जानकारी देना, बाल शोषण और अन्य सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाना है। कैरियर और जीवन के लक्ष्य पर हजारों छात्रों को प्रेरणादायक बातें बताई हैं। आप भारत की युवा प्रतिभाशाली सुपर वुमन कुचीपुड़ी डांसर भी हैं और आपने तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश में पीतल की थाली पर अनोखे नृत्य प्रदर्शन भी किए हैं, यंग इंडियन्स का हिस्सा भी हैं। आप नारी रत्न और युवा रत्न पुरस्कार की विजेता हैं, आपने १०००० से अधिक घंटे की उड़ान का अनुभव किया है, आपकी और भी कई उपलब्धियां है।

सोनिया जी! अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहती हैं कि पैतृक निवास होने से आज भी मेरा लगाव 'फलोदी' से बना हुआ है, बचपन की यादें आज भी हमारे दिलों में जीवित है, वहां हमारे परिवार की हवेली भी है, वहां जाकर आज भी मन शांत और प्रसन्नचित हो जाता है। आज भी 'फलोदी' ने अपनी प्राचीन संस्कृति और धरोहर को संजोकर रखा है, लोग अपनी संस्कृति और खान-पान को अभी भी अपना रहे हैं, वहां का शुद्ध सात्विक भोजन बहुत ही रुचिकर होता है, वहां की मिठाइयां भी बहुत अच्छी लगती हैं। वहां के धार्मिक स्थान, प्राचीन हवेलियां, तालाब, छतरियां 'फलोदी' को और भी आकर्षक बनाते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह क्षेत्र बहुत ही समृद्ध है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में... 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत', हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान 'भारत' से है, जो हमें अपने जड़ों से जोड़े रखता है, इसीलिए अपने देश का नाम हर भाषा में 'भारत' ही रहना चाहिए। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

With Best Compliments From
Jaikishan Birla
अध्यक्ष महेश्वरी सेवा समिति फलोदी
Mob.: 9950024205
Kirana shop, Gandhi Chowk, Phalodi, Rajasthan, Bharat-342301

फलोदी के इतिहास प्रकाशन पर
'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठक व
विज्ञापन दाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं

विजय गोलच्छा
सचिव जीतो जैन गर्ल्स हॉस्टल चेन्नई
फलोदी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९८८४१७९१२३

विजय जी अपनी पैतृक भूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते कि पहले और आज के 'फलोदी' में बहुत परिवर्तन आया है, पहले 'फलोदी' एक छोटा सा गांव था, आज यह शहर बन चुका है और गत वर्ष जिला भी बन गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बात की जाए तो यहां का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत ही उत्तम है, बड़े-बड़े विद्यालय, महाविद्यालय और अस्पताल की व्यवस्था है, आवागमन की सुविधाएं अच्छी हैं, सड़क व्यवस्था बहुत ही अच्छी है, यहां का रेलवे स्टेशन जंक्शन बन गया है जिससे यहां दिल्ली, मुंबई, जोधपुर, जैसलमेर व भारत के अन्य प्रमुख शहरों के लिए ट्रेन की सुविधा उपलब्ध है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, यह एक ऐतिहासिक नगरी है इसीलिए आज भी यहां 'फलोदी' किला है जो सैकड़ों साल पुराना है, यहां कई १००-१५० साल पुरानी हवेलियां भी हैं, जो बहुत ही सुंदर और नक्काशीदार है, जैन समाज के मंदिरों की बात की जाए तो यहां कई जैन मंदिर हैं, जिनमें गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर प्राचीन और ऐतिहासिक है, हर क्षेत्र से लोग यहां दर्शन के लिए आते हैं व ओसवाल समाज का न्याति नोहरा भी बना हुआ है, अन्य धर्म और समाज के भी मंदिर और संस्थाएं बनी हुई हैं, यहां समाज द्वारा गौशालाएं भी संचालित हैं, पर्यटन की बात की जाए तो यहां से कुछ दूरी पर 'खीचन' नामक स्थान पर कुरजा पक्षी का ठंड के मौसम में आगमन रहता है, जिसे देखने के लिए भी पर्यटक 'जैसलमेर' आदि से यहां आना पसंद करते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से भी क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, पहले नमक और सट्टे व्यापार के लिए जाना जाता था, आज हर तरह का व्यापार होने लगा है, कृषि भी पहले की अपेक्षा अच्छी होने लगी है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि १००% अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'।

विजय जी मूलतः 'फलोदी' के निवासी हैं, आपका जन्म व शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है, यहां आप आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं, पिछले १७ सालों से 'जीतो' से जुड़े हुए हैं, ऑल इंडिया चीफ सेक्रेटरी स्पोर्टस रह चुके हैं। जीतो गर्ल्स हॉस्टल चेन्नई के सचिव पद पर कार्यरत हैं, फलोदी जैन संगठन के सदस्य हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

जयंतीलाल मालू
व्यवसायी व समाजसेवी
फलोदी निवासी-कोयंबटूर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: ९४४३०३१२२६

जयंतीलाल जी अपनी जन्मभूमि 'फलोदी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले 'फलोदी' एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था, आज शहर बन चुका है, यहॉ के जीवन में बहुत मिठास थी, पर आज इसमें कमी आ गई है। छोटे गांव की एक विशेषता होती है, सभी एक दूसरे से घनिष्ठता से जुड़े हुए होते हैं, एक दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होते हैं। आज लोगों में यह कम ही दिखाइ देता है। विकास की बात की जाए तो यहां के लोगों के जीवन स्तर में बहुत वृद्धि हुई है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट भी दिखाई देता है, आज बड़े स्कूल, कॉलेज खुल गए हैं, शिक्षा की उत्तम व्यवस्था है। अस्पताल के उत्तम सुविधाओं की आज भी 'फलोदी' में आवश्यकता है, रेल और सड़क संपर्क माध्यम उत्तम है। अर्थव्यवस्था की बात की जाए तो पहले के मुकाबले आज 'फलोदी' आत्मनिर्भर बन रहा है, पहले यहां सिर्फ नमक की खेती होती थी, आज कृषि की बहुत अच्छी व्यवस्था है, कई फसलें होती हैं, यहां मूंगफली, जीरा, रायडा, तिल और फलों का भी उत्पादन होने लगा है। यहां के खान-पान की चीजों में बहुत सी चीज प्रसिद्ध है, जिसमें यहां की मिठाई, भैया जी का चूरमा और गाल के लड्डू बहुत प्रसिद्ध है। पर्यटन की बात की जाए तो 'फलोदी' का अपना गौरवशाली इतिहास है। 'फलोदी' का प्रारंभिक नाम फलवृद्धिका था, जो अपभ्रंश होते होते 'फलोदी' बन गया। यहां आज भी प्राचीन किला मौजूद है, जब से 'फलोदी' की स्थापना हुई, तब से यहां लटियाल माता जी का मंदिर बना है, इन्हें ग्राम देवी कहते हैं, इसके अलावा जैन समाज के १२-१३ जैन मंदिर, स्थानक और दादाबाड़ी बनी है, यहां जैन समाज के मंदिरों में गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध है, जो पूरी तरह से कांच की कलात्मकता से परिपूर्ण है। 'फलोदी' में ५-६ तालाब हैं, यहां का शिवसर और राणीसर तालाब बड़ा है, यहां कई बगीची और सुंदर कलात्मक नक्काशीदार प्राचीन हवेलियां भी हैं जो 'फलोदी' को और भी सुंदर बनाते हैं ऐसी कई विशेषताएं हैं हमारे 'फलोदी' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत', इंडिया का कोई मतलब नहीं है, यह इंडिपेंडेंट नेशन डिक्लेयर इन अगस्त जो १९४७ में भारत की आजादी के समय लिखा गया था, हमारे देश का वास्तविक प्राचीन नाम 'भारत' है और 'भारत' ही रहना चाहिए।

जयंतीलाल जी मूलतः राजस्थान 'फलोदी' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा यहीं संपन्न हुई है। पिछले ४० सालों से आपको 'कोयंबटूर' में बसे हैं और आपका उटी में एवोकाडो फल की खेती का कारोबार है, साथ ही आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। स्थानकवासी जैन समाज कोयंबटूर में मंत्री के पद पर कार्यरत हैं, फलोदी जैन एसोसियेशन कोयंबटूर में संरक्षक की भूमिका निभा रहे हैं, आपके परिवार द्वारा १८६० में चैन्नई में निर्मित चंद्र प्रभु जी का मंदिर, किसी प्रवासी राजस्थानी द्वारा बनवाया गया पहला दक्षिण भारत का जैन मंदिर है। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

धार्मिकता और प्रकृति का अद्भुत संगम 'फलोदी' के
इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

K. Parasmal Jain

Chairman

Mob: 9840621000

KP MANISH
Growth Essentials

K.P. Manish Global Ingredients P. Ltd.

41 Raghunayakulu Street, Chennai,
Tamilnadu, Bharat-600003

email: info@kpmanish.com, paras@kpmanish.com

web: kpmanish.com | Tel.: +91 4444212345

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/06/2025 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®
LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

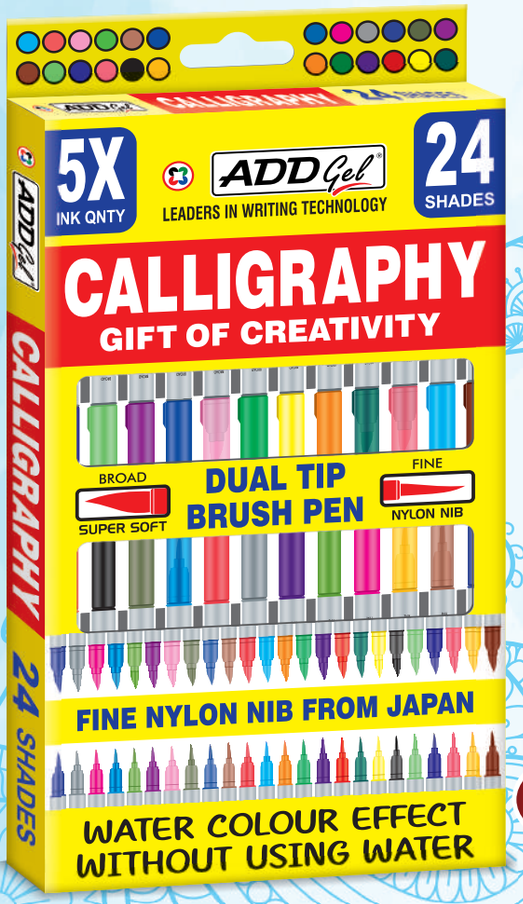

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in